डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक संस्थापकः- श्री महेन्द्र अरोरा

वर्ष-11 अंक-33 | प्रयागराज, रविवार 14 अगस्त 2022 से शनिवार 20 अगस्त 2022 तक | पृष्ठ- 8 | मूल्यः 3 रूपये

सिनेमाः सुष्मिता ने लाइव वीडियो में एक बार भी नहीं लिया ललित मोदी का नाम...8)

संक्षिप्त समाचार

गोलगप्पे खाने से 100 से ज्यादा लोग बीमार

नई दिल्ली। गांव पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीमस्थानीय निवासी संजय बारी ने बताया कि लोगों ने गांव के ही हेमंत नाम के व्यक्ति के यहां से गोलगप्पे खाए थे। इसके बाद लोगों को उल्टी-पेट दर्द व दस्त की शिकायत होने लगी। पश्चिम बंगाल के हुगली में गोलगप्पे खाने से 100 से ज्यादा लोग बीमार हो गए। सभी बीमार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इतनी बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने से पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। उधर, स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है और लोगों को परीक्षण किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, घटना हुगली के पोलवा-सुगंधा ग्राम पंचायत के दोगाछिया गांव की है। यहां गोलगप्पे खाने के बाद लोगों को दस्त और पेट दर्द की शिकायत हुई। देखते ही देखते पूरे गांव में लोगों को इस तरह की समस्या आने लगी और बड़ी संख्या में लोग अस्पताल में भर्ती हुए। दो अस्पतालों में भर्ती कराए गए मरीज स्वास्थ्य अधिकारी ने अभय कुमार दास ने बताया, मौके पर स्वास्थ्य टीम को रवाना किया गया है, जो गांव में ही कैंप लगाकर लोगों को दवाइयां बांट रही है। उन्होंने बताया, ज्यादा गंभीर मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है। मरीजों की ज्यादा संख्या होने के कारण कुछ को चूचूरा के सदर अस्पताल तो अन्य को चंदननगर के महकमा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय निवासी संजय बारी ने बताया कि लोगों ने गांव के ही हेमंत नाम के व्यक्ति के यहां से गोलगप्पे खाए थे।

तेजस्वी के साथ क्या-क्या करेंगे नीतीश कुमार, नई सरकार में राजद के कौन से चुनावी वादे होंगे पूरे

बिहार। महागठबंधन की सरकार को दो दिन हो गए हैं। नई सरकार के गठन के बाद से ही बिहार की जनता डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को उनके पुराने वादे याद दिलाने लगी है। फिर वह 10 लाख रोजगार, किसानों की कर्ज माफी की बात हो या संविदा पर नौकरी के प्रावधान को खत्म करने की। ये सवाल तेजस्वी यादव से इसलिए पूछे जा रहे है क्योंकि ये सभी उनके चुनावी घोषणापत्र में शामिल थे। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि नए सहयोगी तेजस्वी यादव के साथ आने के बाद सरकार में क्या-क्या बदलाव हो सकते हैं? क्या तेजस्वी अपने चुनावी वादों को पूरा करेंगे? इन वादों पर विपक्ष का क्या कह रहा है2020 विधानसभा चुनाव के दौरान तेजस्वी यादव ने वादा किया था कि उनकी सरकार आई तो बिहार में 10 लाख लोगों को रोजगार देंगे। तेजस्वी ने 27 सितंबर 2020 को ट्विट किया था। लिखा था, 'पहली कैबिनेट में पहली कलम से बिहार के 10 लाख युवाओं को नौकरी देंगे। बिहार में 4 लाख 50 हजार रिक्तियां पहले से ही हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, गृह विभाग सहित अन्य विभागों में राष्ट्रीय औसत के मानकों के हिसाब से बिहार में अभी पांच लाख 50 हजारर नियुक्तियों की अत्यंत आवश्यकता है।'अब चूंकि तेजस्वी सरकार में आ चुके हैं। खुद डिप्टी सीएम हैं। ऐसे में जाहिर सी बात है कि लोग उनसे 10 लाख रोजगार पर सवाल करेंगे। तेजस्वी के शपथ ग्रहण से पहले ही इस मुद्दे पर विपक्षी पार्टी भाजपा उन्हें घेरने लगी। एक न्यूज चैनल से बातचीत में तेजस्वी ने कहा, 'हां! हमने वादा किया था कि बिहार का सीएम बनते ही पहला फैसला नौकरियां देने का होगा। अभी मैं प्रदेश का डिप्टी सीएम हूं। मैंने सीएम नीतीश कुमार से बातचीत की है। दो दिन से हमारी चर्चा हुई है। हमारी उनसे बेरोजगारी को लेकर चर्चा हुई है। वो इसको लेकर बहुत गंभीर हैं।' एक अन्य बयान में तेजस्वी ने कहा, 'अभी तो

विश्वासमत बाकी है। हम लोग कोशिश करेंगे की ज्यादा से ज्यादा लोगों को नौकरी दे सकें। 4-5 लाख लोगों को कम से कम नौकरी दी जा सके।'वहीं एक और बयान में तेजस्वी ने कहा, '10 लाख रोजगार का वादा हम पूरा करेंगे। जब मैंने ये वादा किया था, तब कहा था कि मैं मुख्यमंत्री बनूंगा तो ये वादा पूरा करूंगा। अभी तो मैं उपमुख्यमंत्री हूं।'तेजस्वी के 10 लाख रोजगार दिए जाने के वादे पर मीडिया ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी सवाल किया। उन्होंने कहा, 'हम लोग तो ट्राई कर ही रहे हैं। पहले से ट्राई कर रहे हैं। जो पहले से दिया है। हम फिर से कह रहे हैं कि अधिक से अधिक रोजगार देंगे।'2020 विधानसभा चुनाव के दौरान तेजस्वी यादव ने किसानों की कर्जमाफी का भी एलान किया था। कहा था कि उनकी सरकार बनती है तो वह किसानों का कर्ज माफ कर देंगे। अब उनकी सरकार बन चुकी है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि कैबिनेट की पहली मीटिंग में वह किसानों की कर्ज माफी को लेकर बड़ा फैसला ले सकते हैं। बताया जाता है कि इसके लिए पर्दे के पीछे अभी से तेजस्वी नीतीश कुमार पर दबाव डालना शुरू कर चुके हैं। संविदा भर्ती प्रक्रिया समाप्त होगी? : तेजस्वी यादव ने संविदा भर्ती प्रक्रिया को भी निरस्त करने का वादा किया था। कहा था कि सरकार बनने के बाद सभी विभागों से निजीकरण को समाप्त कर दिया जाएगा। इसको लेकर एक न्यूज चैनल ने तेजस्वी से बात करने की कोशिश भी की। हालांकि, उन्होंने इसका कुछ साफ जवाब नहीं दिया। कहा कि अभी तो सरकार बनी है। आगे देखते हैं क्या-क्या हो सकता है। बिहारियों को नौकरी में 85 फीसदी का आरक्षण : राजद ने 2020 विधानसभा चुनाव के दौरान वादा किया था कि उनकी सरकार बनी तो वह बिहार में निकलने वाली नौकरियों में 85 फीसदी बिहारियों को आरक्षण देंगे। ऐसे में संभव है कि इसको लेकर भी तेजस्वी और नीतीश कुमार की सरकार कोई फैसला ले। युवाओं को बेरोजगारी भत्ता : तेजस्वी यादव ने युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा भी किया था। कहा था कि सरकार बनने पर हर माह युवाओं को 1500 रुपये बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। आर्थिक तौर पर अभी बिहार की स्थिति काफी कमजोर है। ऐसे में इस वादे को पूरा करना काफी मुश्किल है। पेंशन में बढ़ोतरी का वादा : राजद ने 2020 विधानसभा चुनाव के दौरान बुजुर्गों और गरीबों को मिलने वाली पेंशन को प्रतिमाह 400 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये करने का वादा किया था। नीतीश कुमार ने सरकार बनने के बाद इसे 500 कर दिया था। अब तेजस्वी से लोग पूछ रहे हैं कि वह इस 500 को बढ़ाकर एक हजार रुपये कब करेंगे। हमने यही सवाल बिहार के वरिष्ठ पत्रकार दिवाकर झा से पूछा। उन्होंने कहा, 'वादे करने और उसे पूरा करने में काफी अंतर होता है। वादे राजनीतिक होते हैं, लेकिन जब सरकार चलाने की बारी आती है तो कई तथ्यों को देखकर फैसले लेने पड़ते हैं। अभी बिहार में आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। ऐसे में तेजस्वी के सामने वादों को पूरा करने में कई चुनौतियां आने वाली हैं।

देश के सर्वश्रेष्ठ जांचकर्ता, इन 151 पुलिस कर्मियों को मिला ये खास मेडल

नई दिल्ली। पदक विजेताओं में विभिनन राज्यों की पुलिस इकाइयों के अलावा केंद्रीय जांच एजेंसी, जैसे सीबीआई, एनआईए व एनसीबी भी शामिल हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी 'सीबीआई' को सर्वाधिक 15 मेडल मिले हैं। एनआईए और एनसीबी के खाते में पांच-पांच पदक गए हैं...स्वातंत्रता दिवस के मौके पर जांच कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 151 पुलिस कर्मियों को केंद्रीय गृह मंत्री के 'मेडल फॉर एक्सीलेंस इन इन्वेस्टिगेशन' प्रदान करने की घोषणा की गई है। इन पदक विजेताओं में विभिन्न राज्यों की पुलिस इकाइयों के अलावा केंद्रीय जांच एजेंसी, जैसे सीबीआई, एनआईए व एनसीबी भी शामिल हैं। गत वर्ष 152 पुलिस पर्सनल को यह सम्मान प्रदान किया गया था। इस बार केंद्रीय जांच एजेंसी 'सीबीआई' को सर्वाधिक 15 मेडल मिले हैं। एनआईए और एनसीबी के खाते में पांच-पांच पदक गए हैं। आंध्र प्रदेश पुलिस को 6, असम पुलिस को 4, बिहार पुलिस को 7, छत्तीसगढ़ पुलिस को 3, गुजरात पुलिस को 6, हरियाणा पुलिस को 4, हिमाचल प्रदेश पुलिस को 1, जम्मू एंड कश्मीर पुलिस को 1, झारखंड पुलिस को 2, कर्नाटक पुलिस को 6, केरल पुलिस को 8, मध्यप्रदेश पुलिस को 10, महाराष्ट्र पुलिस को 11, मणिपुर पुलिस को 1, मेघालय पुलिस को 1, मिजोरम पुलिस को 1, नागालैंड पुलिस को 1, ओडिशा पुलिस को 4, पंजाब पुलिस को 1, राजस्थान पुलिस को 8, तमिलनाडु पुलिस को 5, तेलंगाना पुलिस को 5, त्रिपुरा पुलिस को 1, उत्तर प्रदेश पुलिस को 10, उत्तराखंड पुलिस को 1, पश्चिम बंगाल पुलिस को 8, अंडेमान एंड निकोबार पुलिस को 1, दादरा एंड नगर हवेली पुलिस को 1, दिल्ली पुलिस को 6 और पुदुच्चेरी पुलिस को एक मेडल मिला है। 2021 में केंद्रीय गृह मंत्री के 'जांच उत्कृष्टता पदक' से 152 पुलिसकमिन्यों को सम्मानित किया गया था। इनमें 28 महिला पुलिस अधिकारी भी शामिल थीं। सीबीआई के 15 जांच अधिकारी सम्मानित किए गए थे। इस पदक के लिए सभी राज्यों को 30 अप्रैल तक सिफारिशें भेजने के लिए कहा गया था। केंद्रीय जांच एजेंसियों के सदस्यों को यह पदक जांच में उनकी उत्कृष्टता के आधार पर दिया जाता है। राज्य या केंद्र शासित प्रदेश पुलिस बल में उत्कृष्ट सेवा व जांच पड़ताल के दौरान जांच के उच्च पेशेवर मानकों को बढ़ावा देने के लिए यह पदक मिलता है। खास बात यह है कि यह पदक हेड कांस्टेबल से लेकर पुलिस अधीक्षक तक रैंक के अधिकारियों को दिया जा सकता है। किसी भी अपराध की जांच में उच्च मानकों को स्थापित करके पेशेवर रवैये को बढ़ाने, ईमानदारी, कर्त्तव्यनिष्ठा व काम से असाधारण साहस का परिचय देने वाले पुलिस कमिन्यों को यह मेडल 2018 से दिया जा रहा है। इस पदक का उद्देश्य पुलिसमिन्यों को प्रोत्साहित करना है।

ममता को बड़ा झटका, उपाध्यक्ष पवन वर्मा ने टीएमसी से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी को भेजे इस्तीफे में वर्मा ने उनसे इसे मंजूर करने का आग्रह किया है। हालांकि, इसमें उन्होंने इस्तीफे की वजह नहीं बताई है। वर्मा पिछले साल ही तृणमूल कांग्रेस में शाामिल हुए थे। वे भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी हैं। वे इससे पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सलाहकार थे। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ ममता बनर्जी नीत तृणमूल कांग्रेस को शुक्रवार को एक और झटका लगा। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पवन के वर्मा ने आज पद से इस्तीफा दे दिया। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी को भेजे इस्तीफे में वर्मा ने उनसे इसे मंजूर करने का आग्रह किया है। हालांकि, इसमें उन्होंने इस्तीफे की वजह नहीं बताई है। उन्होंने एक ट्वीट में इस्तीफे की जानकारी दी। वर्मा ने ममता बनर्जी को भेजे पत्र में लिखा, 'मेरा इस्तीफा स्वीकार करें। मैं आपके सन्हे और शिष्टाचार के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं आपके संपर्क में रहने के लिए तत्पर हूं। सभी को शुभकामनाएं।'पवन वर्मा पिछले साल ही तृणमूल कांग्रेस में शाामिल हुए थे। वे भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी हैं। वे इससे पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सलाहकार थे। वे जून 2014 से जुलाई 2016 तक राज्यसभा सदस्य, जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव और राष्ट्रीय प्रवक्ता थे। उन्होंने नागरिकता संशोधन अधिनियम का समर्थन करने के जदूय के फैसले के विरोध में पार्टी छोड़ दी थी। वर्मा ने कई देशों में भारत के राजदूत और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के रूप में सेवा करने के अलावा कई किताबें भी लिखी हैं।

चीन ने की हरकत तो घुसकर बाम बारसाकर आएगा 'बैैकजैक', भारत खरीदेगा दुनिया का सबसे घातक बॉम्बर

नई दिल्ली। पिछले कुछ सालों में चीन की हर हरकत का भारत ने करारा जवाब दिया है। हालांकि, चीन के पास कुछ ऐसे हथियार हैं, जिनका तोड़ भारत के पास भी नहीं है। इनमें से एक है, चीन का ࢫ-6ख् स्ट्रैटेजिक बॉम्बर। पिछले साल चीन ने भारतीय

सीमा पर इस बॉम्बर को तैनात किया था। तब इसका तोड़ भारत के पास भी नहीं था। अब खबर है कि भारत, रूस से दुनिया के सबसे घातक स्ट्रैटेजिक बॉम्बर ऊल-160 को खरीदने जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि रूस से कम से कम छह ऊल-160 बॉम्बर एयरक्राफ्ट खरीदने के लिए वार्ता अंतिम चरणों में है। हालांकि, इस पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। ऊल-160 को व्हाइट स्वान भी कहा जाता है। नाटो ने इस बॉम्बर एयरक्रॉफ्ट को 'ब्लैकजैक' नाम दिया है। यह दुनिया का सबसे दुनिया का सबसे तेज, सबसे बड़ा और सबसे भारी बमवर्षक है। दुनिया में अभी तक सिर्फ तीन देशों- अमेरिका, रूस और चीन के पास ही स्ट्रैटेजिक बॉम्बर एयरक्रॉफ्ट हैं। अगर भारत इसे खरीदता है तो वह दुनिया को चौथा देश हो जाएगा। स्ट्रैटेजिक बॉम्बर आवाज की दोगुनी रफ्तार से उड़ते हैं। यानी ये पलक झपकते ही दुश्मन देश की सीमा के अंदर घुसकर बम गिराकर आ सकते हैं। इनकी खासियत कहीं भी और कभी भी हमला करने की होती है। 160 एयरक्राफ्ट करीब 52 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ान भरने में सक्षम है। इसलिए, रडार भी इस विमान को नहीं पकड़ सकता है। ये विमान करीब 40 हजार किलो वजनी बम भी ले जा सकते हैं। उनकी ऊंचाई 43 फीट, लंबाई 177.6 फीट और रेंज 12300 से 14500 किमी तक है।

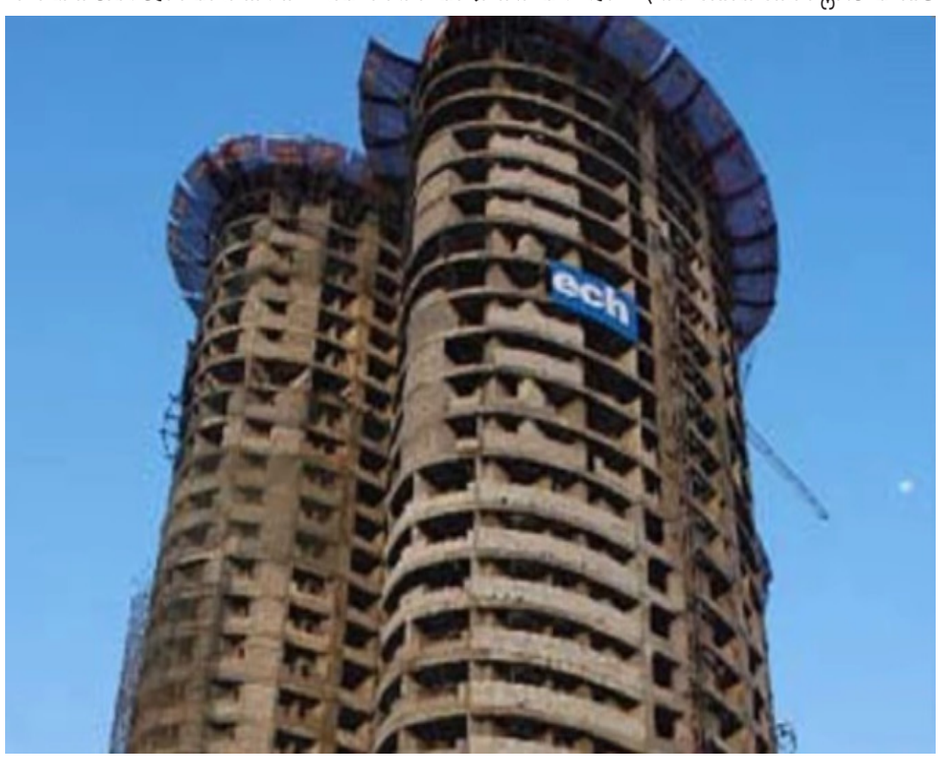

28 अगस्त को गिराए जाएंगे सुपरटेक के ट्विन टावर, सुप्रीम कोर्ट ने बढ़ाई समय सीमा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भवन निर्माण कंपनी सुपरटेक की एमराल्ड परियोजना के तहत बने इस ट्विन टॉवर को गिराने के लिए समय सीमा तय की है। शुक्रवार को शीर्ष अदालत ने ये दोनों टावर ढहाने की तैयारियों को लेकर पेश स्टेटस रिपोर्ट पर सुनवाई करते हुए यह मोहलत दी। ये ट्विन टावर नोएडा के सेक्टर-93 ए में स्थित है। एडिफिस इंजीनियरिंग कंपनी इसे 28 अगस्त तक गिराने का प्रयास कर रही हुए कहा कि अगर अंतिम ब्लास्ट जल्दी नहीं होता है तो इस इमारत से खतरा पैदा होगा क्योंकि यह इमारत काफी कमजोर हो गई है और यह किसी ओर गिर सकती है। इसके अलावा अंतिम ब्लास्ट के लिए

में जुटी सरकारी एजेंसियों को एक सप्ताह का अतिरिक्त वक्त दे दिया। सुप्रीम कोर्ट ने आज नोएडा में सुपरटेक के 40 मंजिला ट्विन टॉवर को गिराने के लिए 28 अगस्त की तारीख तय कर दी। दोनों जुड़वां इमारतें गिराने में किसी भी तरह की परिस्थितिजन्य या तकनीकी समस्या आए तो एक हफ्ते की अतिरिक्त समय सीमा दी गई है।सुप्रीम कोर्ट ने भवन निर्माण कंपनी सुपरटेक की एमराल्ड परियोजना के तहत बने इस ट्विन टॉवर को गिराने के लिए समय सीमा तय की है। शुक्रवार को शीर्ष अदालत ने ये दोनों टावर ढहाने की तैयारियों में जुटी सरकारी एजेंसियों को एक सप्ताह का अतिरिक्त वक्त दे दिया। सुप्रीम कोर्ट ने आज ट्विन टावर गिराने है। पहले की योजना के मुताबिक दो अगस्त से ट्विन टावर में विस्फोटक लगाने का काम शुरू कर 18 अगस्त तक पूरा कर लेना था। दो दिन के निरीक्षण के बाद 21 अगस्त को अंतिम ब्लास्ट की तिथि निर्धारित की गई थी, लेकिन अब जहां 11 अगस्त का समय बीत चुका है और अभी तक पलवल से विस्फोटक नहीं लाया जा सका है। चिंता इसलिए भी है कि एडिफिस इंजीनियरिंग ने प्राधिकरण को लिखे पत्र में साफ कहा है कि अगर 28 अगस्त तक अंतिम ब्लास्ट नहीं किया जाएगा तो फिर उसकी सहयोग संस्था जेट डिमोलिशन के पास नवंबर से पहले इसके लिए समय नहीं है। यही नहीं एजेंसी ने चेतावनी जारी करते की गई व्यवस्था भी खराब होगी। सुप्रीम कोर्ट ने इस माह की शुरुआत में एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) की वह याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें नोएडा में कथित तौर पर नियमों का उलुंघन कर बनाए गए ट्विन टावर को गिराने की जगह वैकल्पिक समाधान का निर्देश देने का आग्रह किया गया था। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने एनजीओ 'सेंटर फॉर लॉ एंड गुड गवर्नेंस' पर पांच लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था और निर्देश दिया था कि इस राशि को रजिस्ट्री में जमा किया जाए, ताकि कोविड से प्रभावित रहे वकीलों के परिजनों के लाभ के लिए इसका उपयोग किया जा सके।

भारत-पाक की दो युवतियों की दोस्ती के इंटरनेट पर चर्चे

नई दिल्ली। हार्वर्ड में मुलाकात ने पार की सीमाई हदेंसन्हेा बिश्वास अर्ली स्टेप्स एकेडमी की सीईओ हैं। सन्हेा की हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में सहपाठी पाकिस्तानी युवती से मुलाकात हुई थी। यह मुलाकात बाद में उनके बीच गहरी दोस्ती में बदल गई। सन्हेा बिश्वास ने हार्वर्ड में हुई इस दोस्ती के कुछ किस्से व फोटो के साथ साझा किए हैं। भारत-पाकिस्तान की दोस्ती तो फिलहाल दूर की कौड़ी नजर आ रही है और दुश्मनी रोज नए परवान चढ़ रही है। इसी बीच दोनों देशों की दो युवतियों की तीसरे देश में मुलाकात और उनके बीच दोस्ताना रिश्ते की एक कहानी सोशल मीडिया में खूब वायरल हो रही है। सरहदी बाधाएं तोड़कर हुई इस दोस्ती की ये कहानी सन्हेा बिश्वास ने लिंक्डइन पर साझा की है, जिसे लोगों की सराहना मिल रही है। सन्हेा बिश्वास अर्ली स्टेप्स एकेडमी की सीईओ हैं। सन्हेा की हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में सहपाठी पाकिस्तानी युवती से मुलाकात हुई थी। यह मुलाकात बाद में उनके बीच गहरी दोस्ती में बदल गई। सन्हेा बिश्वास ने हार्वर्ड में हुई इस दोस्ती के कुछ किस्से व फोटो दो दिन पहले लिंक्डइन (थ्हव्ह) पर एक पोस्ट के साथ साझा किए हैं। सन्हेा ने लिखा है कि भारत के एक छोटे से शहर में पली-बढ़ी होने से पाकिस्तान के बारे में मेरी जानकारी दोनों के बीच क्रिकेट, इतिहास की किताबों और मीडिया से मिलने वाली जानकारियों तक ही सीमित थी। इनमें से ज्यादातर बातें दोनों देशों के बीच आपसी शत्रुता और नफरत से जुड़ी थीं। सन्हेा ने लिखा, 'दशकों बाद मैं इस मित्र से मिली। वह इस्लामाबाद की रहने वाली हैं। मैं उससे पहले दिन हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में मिली थी। हमें एक-दूसरे को पसंद करने में पांच सेकंड का समय लगा था, लेकिन पहले सेमेस्टर के अंत तक वह कैंपस में मेरी सबसे करीबी दोस्तों में से एक बन गई थी। हमने कई बार चाय, बिरयानी साथ ली। हम एक-दूसरे को जानने लगे।' वह परंपरागत पाकिस्तानी परिवार में पली, लेकिन उसके माता-पिता बच्चों के लिए काफी सहयोगी रुख अपनाते थे। उन्होंने अपनी इस बेटी व उसकी छोटी बहन को अपने सपने पूरे करने और मेरे साथ साझा करने की छूट दी। उसकी महत्वाकांक्षाओं व साहसी पसंद ने मुझे प्रेरणा दी। सन्हेा ने लिखा कि 'मैंने महसूस किया कि जहां आपके व्यक्तिगत रूप से अपने अपने राष्ट्रों के लिए हममें गर्व है, वहीं, लोगों के प्रति आपका प्यार भौगोलिक सीमाओं से परे है। लोग मूल रूप से हर जगह समान हैं। सीमाएं और स्थानों को तो इंसानों ने बनाया है। ये सब दिमाग समझता है, लेकिन दिल अक्सर उन्हें समझने में विफल रहता है।

शुआट्स के होम साइंस विभाग में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नैनी (प्रयागराज)। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत सैम हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (शुआट्स) के इथिलिण्ड कॉलेज आफ होम साइंस द्वारा इनरव्हील क्लब आफ इलाहाबाद ईस्ट के सहयोग से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कॉलेज की डीन प्रो0 डा. रानू प्रसाद ने बताया कि वृक्षारोपण में शीशम, आंवला, नींबू, अमरूद इत्यादि पौधों को कॉलेज परिसर में रोपण किया गया। कार्यक्रम में प्रो. वरजीनिया पौल, डा. अंशु, डा. नीरू बाला, डा. रीतु पी. दूबे, डा. निशा चाको, डा. अंजली माथुर, डा. मंजू महानन्दा, डा. एकता शर्मा, डा. संघमित्रा महापात्रा, डा. नरगिस फातिमा, डा. अल्का गुप्ता, डा. अनीशा वर्मा, डा. नीलम मित्रा एवं कोमल द्विवेदी के साथ भारी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभागिता की। इनरव्हील क्लब की प्रेसीडेन्ट श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव, सेक्रेटरी श्रीमती रेखा खरे एवं ट्रेजरार रूबी केसरवानी आदि ने भी सक्रिय प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के आयोजन में श्रीमती रतना जायसवाल, सरिता खुराना, ज्योति श्रीवास्तव एवं सुमन अग्रवाल आदि ने विशेष सहयोग दिया।

इनर व्हील उदीशा ने मनाया रक्षाबंधन

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। इनर व्हील क्लब ऑफ इलाहाबाद उदीशा ने बुधवार को सीआरपीएफ के जवानों और ऑफिसर्स के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। फाफामऊ स्थित डिफेंस ग्रुप सेंटर में क्लब की प्रेसिडेंट डॉ. अमृता अग्रहरि और क्लब की सदस्यों रेणुका, ममता, सारिका, रेनू और प्रियंवदा ने जवानों और आफिसर्स को राखी बांधी और मिठाई खिलाई। जवानों ने महिलाओं को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। समारोहम में सदस्यों ने देशभक्ति गीत गाकर उनका उत्साह बढ़ाया और शुक्रिया अदा किया। संचालन क्लब की आडिटर स्वाति अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर कमांडेंट सुमंतकुमार, निरंजन सैनी, शक्ति सिंह और सीआरपीएफ के अनेक जवान उपस्थित रहे।

महंत नरेंद्र गिरि की मौत की सूचना देने वाले अमर गिरि बाघम्बरी मठ से निष्कासि

प्रयागराज। तसंगम स्थित बड़े हनुमान मंदिर के व्यवस्थापक अमर गिरि निष्कासन के बाद मंदिर और मठ से बाहर हो गए हैं। महंत नरेंद्र गिरि ने आनंद गिरि को बड़े हनुमान मंदिर की व्यवस्था से हटाने के बाद अमर गिरि को वहां की जिम्मेदारी सौंपी थी। इस बीच महंत की संदिग्ध मौत के बाद निरंजनी अखाड़े के बाघम्बरी गद्दी मठ और बड़े हनुमान मंदिर के महंत बने बलवीर गिरि से अमर गिरि के बीच खटास पैदा हो गई। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि की बाघम्बरी गद्दी मठ में संदिग्ध मौत की पुलिस को सूचना देने वाले बड़े हनुमान मंदिर के व्यवस्थापक स्वामी अमर गिरि को मठ से निष्कासित कर दिया गया है। अमर गिरि से मंदिर और मठ की सभी जिम्मेदारियां छीन ली गई हैं। निष्कासन की यह कार्रवाई नए महंत बलवीर गिरि ने की है। इसी के साथ महंत की मौत पर मठ के भीतर की खींचतान बाहर आ गई है।संगम स्थित बड़े हनुमान मंदिर के व्यवस्थापक अमर गिरि निष्कासन के बाद मंदिर और मठ से बाहर हो गए हैं। महंत नरेंद्र गिरि ने आनंद गिरि को बड़े हनुमान मंदिर की व्यवस्था से हटाने के बाद अमर गिरि को वहां की जिम्मेदारी सौंपी थी। इस बीच महंत की संदिग्ध मौत के बाद निरंजनी अखाड़े के बाघम्बरी गद्दी मठ और बड़े हनुमान मंदिर के महंत बने बलवीर गिरि से अमर गिरि के बीच खटास पैदा हो गई।पता चला है कि महंत की मौत के मामले में आरोपी बनाए जाने के बाद नैनी सेंट्रल जेल में बंद आनंद गिरि से अमर गिरि की नजदीकियों की वजह से बलवीर गिरि ने उनसे दूरी बना ली और मठ से हटा दिया है। पता चला है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में अमर गिरि ने हाल में ही पांच पेज का हलफनामा पेश करते हुए कहा है कि आनंद गिरि के खिलाफ उन्होंने लिखित तहरीर नहीं दी थी। अलबत्ता उन्होंने पवन महाराज के साथ जार्जटाउन थाने में जाकर सिर्फ महंत की मौत होने की मौखिक सूचना दी थी। अमर गिरि के इस हलफनामे के बाद केस कमजोर होने की बात कही जाने लगी है। साथ ही बलवीर गिरि के विरोधी आनंद गिरि पर लगे आरोपों की हवा निकलने के भी कयास लगाए जाने लगे हैं।मठ से निष्कासन के बाद अमर गिरि और पवन महाराज को सुरक्षा का खतरा सताने लगा है। कोर्ट में हलफनामा दाखिल करने के बाद अमर गिरि पर दबाव पड़ने और धमकियां मिलने की भी बात सामने आ रही है। इसके बाद अमर गिरि ने अपना मोबाइल बंद कर लिया है। बाघंबरी मठ में अंदरूनी खींचतान तेज होने के बाद महंत बलवीर गिरि हरिद्वार चले गए हैं। मठ के भीतर इस घटनाक्रम को लेकर कोई कुछ कहने की स्थिति में नहीं है। पुजारी से लेकर सेवादार तक के होठ सिले हुए हैं। बलबीर गिरि ने अमर उजाला को बताया कि वह जरूरी काम से हरिद्वार आ गए हैं। जल्द ही मठ पहुंचकर इस मसले पर बात करेंगे। अमर गिरि को बड़े हनुमान मंदिर के व्यवस्थापन समेत अन्य सभी जिम्मेदारियों से हटा दिया गया है। इधर उनकी गतिविधियां ठीक नहीं चल रही थीं। मठ और मंदिर के हित में काम न करने की उनकी कई शिकायतें मिलने पर उनको निष्कासित किया गया है। - महंत बलवीर गिरि, बाघंबरी गद्दी मठ और बड़े हनुमान मंदिर।स्वामी अमर गिरि अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि के भरोसेमंदों में गिने जाते रहे हैं। अमर गिरि की निष्ठा और समर्पण की वजह से ही उनको आनंद गिरि की जगह हनुमान मंदिर के व्यवस्थापक की जिम्मेदारी दी गई थी। महंत नरेंद्र गिरि की मौत के दिन भी सबसे पहले बड़े हनुमान मंदिर से स्वामी अमर गिरि को ही बुलाया गया था। अमर गिरि ही सबसे पहले मठ के उस आगंतुक कक्ष में घुसे थे, जिसमें महंत नरेंद्र गिरि का फंदे से लटकता हुआ शव देखा गया था।

माफिया अतीक अहमद के खिलाफ 23 महीने में 24 कार्रवाई, दो सौ करोड़ की चपत

प्रयागराज। अतीक अहमद गैंग को पिछले दो साल में लगभग 200 करोड़ की चोट पहुंच चुकी है। 2020 में उसके गैंग के आर्थिक साम्राज्य के खिलाफ कार्रवाई शुरू हुई थी जिसका सिलसिले लगातार जारी है। शुक्रवार को कौशाम्बी में हुई कार्रवाई माफिया गैंग के आर्थिक साम्राज्य के खिलाफ पिछले 23 महीनों में हुई 24वीं कार्रवाई थी। अतीक और उसके गुर्गों की अपराध से अर्जित और गैरकानूनी तरीके से बनाई गई संपत्तियों पर कार्रवाई पांच सितंबर 2020 को शुरू हुई। सबसे पहले उसके सबसे खास गुर्गे और साढू इमरान जई के सिविल लाइंस में हाईकोर्ट के पास स्थित मद्रास होटल को बुलडोजर चलवाकर ढहवा दिया गया। इसके बाद लगातार कार्रवाई हुई। जिसमें अवैध रूप से बने मकान तोड़े गए तो अपराध से अर्जित संपत्ति कुर्क भी की गई। अतीक साढू इमरान जई के तीन मंजिला भवन का ध्वस्तीकरण नवाब यूसुफ रोड पर स्थित अवैध व्यावसायिक निर्माण को ढहाया हाईकोर्ट हनुमान मंदिर के पास स्थित व्यावसायिक भवन पर चला बुलडोजर लूकरगंज स्थित 14800 वर्ग जमीन को अतीक के कब्जे से मुक्त कराया अतीक के सहयोगी अब्बास के सिविल लाइंस स्थित मैक टॉवर पर कार्रवाई झूंसी में 11 हजार वर्ग गज जमीन पर बने अतीक के कोल्ड स्टोरेज को गिराया अशरफ के कौशाम्बी के हटवा निवासी साले जैद का दोमंजिला भवन ढहाया अतीक के चकिया स्थित कार्यालय का अवैध भाग पर चला बुलडोजर चकिया स्थित दो मंजिला भवन को कराया जमीदोंज कम्मो-जाबिर के कैंट स्थित मकान का ध्वस्तीकरण शूटर तोता के कसारी-मसारी स्थित मकान पर कार्रवाई करेली में 10 करोड़ मूल्य की 18 जमीनें कुर्क अतीक के शूटर आबिद के बम्हरौली स्थित आलीशान मकान को गिराया धूमनगंज में माफिया के करीबी अकबर का मकान ढहाया गया बम्हरौली चौकी के पास गुर्गे मुस्लिम व अकबर के फार्म हाउस में अवैध निर्माण का ध्वस्तीकरण धूमनगंज के उमरी में आशिक उर्फ मल्ली के मकान पर चला बुलडोजर पिपरी के बजहा में अतीक गैंग के सक्रिय सदस्य वदूद के ाकान का ध्वस्तीकरण धूमनगंज के कई गांवों में लगभग 150 बीघा जमीन पर अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई गुर्गे खालिद जफर की 20 बीघा अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर अलीना सिटी, अहमद सिटी समेत तमाम अवैध टाउनशिप पर कार्रवाईगैंगस्टर के जिस मुकदमे में पुलिस ने अतीक की संपत्ति कुर्क की है, उसके अन्य आरोपियों पर कार्रवाई न होने को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। दरअसल यह मुकदमा धूमनगंज थाने में 2020 में तत्कालीन इंस्पेक्टर शमशेर बहादुर सिंह की तहरीर पर लिखा गया था। इसमें अतीक के साथ ही चार अन्य भी आरोपी बनाए गए थे। इनमें हरवारा निवासी सगे भाई नियाज व रियाज के अलावा झुमरी के मो. शेख और जाहिद अहमद शामिल हैं। पुलिस अब तक इनकी संपत्ति का पता नहीं लगा पाई है। मामले के विवेचक धूमनगंज इंस्पेक्टर राजेश कुमार मौर्य का कहना था कि अभी अन्य आरोपियों की संपत्ति का ब्योरा नहीं जुटाया जा सका है।

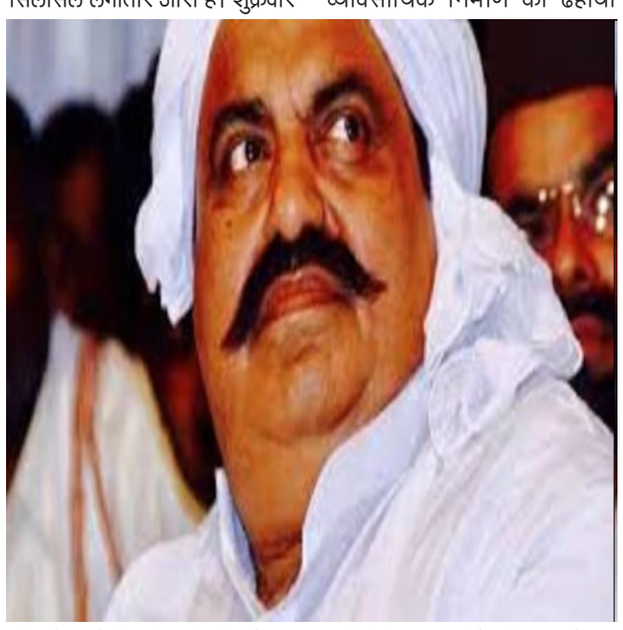

बारा मे तिरंगा यात्रा निकाला गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

राकेश मिश्रा

बारा। शुक्रवार को बारा क्षेत्र में सीओ बारा संत लाल सरोज की अगुवाई में तिरंगा यात्रा निकाला गया। तिरंगा यात्रा बारा थाना परिसर से क्षेत्राधिकारी बारा कार्यालय होते हुए तहसील मुख्यालय एवं कस्बे में भ्रमण करते हुए थाना परिसर में समाप्त हो गई। इस अवसर पर इंस्पेक्टर बारा कमलेश कुमार,एस ओ लालापुर शेर सिंह,एस ओ शंकरगढ़ मनोज सिंह,एस ओ कौंधियारा विनोद कुमार सिंह सहित बारा, शंकरगढ़, लालापुर के विजय पांडेय, प्रमोद यादव, राकेश कुमार सचान, शैलेन्द्र कुमार यादव,अजय कुमार सिंह, कौशलेंद्र सिंह सहित समस्त एस आई गण और कांस्टेबल मौजूद रहे।

रंगबिरंगी रोशनी से जगमगाया हाईकोर्ट का ऐतिहासिक भवन आम लोगों के लिए खुला

प्रयागराज। परिसर के भीतर दो स्थानों पर सेल्फी प्वाइंट भी बनाये गये है। निबंधक शिष्टाचार आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि हाईकोर्ट परिसर अगले चार दिनों के लिए आम लोगों के लिए खोल दिया गया है। अब आम लोग भी बिना पास के सिक्योरिटी चेक के साथ परिसर में प्रवेश कर सेल्फी ले सकेंगे। देश की आजादी की 75वें साल में भारत सरकार द्वारा आयोजित अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में इलाहाबाद हाईकोर्ट को विशेष लाइटिंग से सजाया गया है। ऐतिहासिक भवन रंगबिरंगी रोशनी से नहाया हुआ है। यह व्यवस्था मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल के आदेशानुसार की गई है। परिसर के भीतर दो स्थानों पर सेल्फी प्वाइंट भी बनाये गए हैं। निबंधक शिष्टाचार आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि हाईकोर्ट परिसर अगले चार दिनों के लिए आम लोगों के लिए खोल दिया गया है। अब आम लोग भी बिना पास के सिक्योरिटी चेक के साथ परिसर में प्रवेश कर सेल्फी ले सकेंगे।

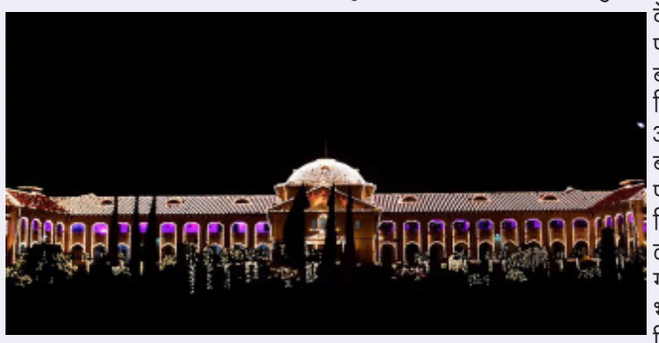

सूबेदारगंज में आरओबी के लिए कवायद तेज, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद ने मांगा प्रस्ताव

प्रयागराज। चौफटका से कालिंदीपुरम के बीच फ्लाई ओवर लंबे समय से प्रस्तावित है लेकिन किसानों के विरोध तथा अन्य वजहों से गतिरोध बना हुआ है। इसका निर्माण महाकुंभ-2025 से पहले कराने की योजना है। सूबेदारगंज में प्रस्तावित रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) के लिए कवायद तेज हो गई है। महाकुंभ आयोजन से पहले इसका निर्माण कार्य पूरा हो सके। इसके लिए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जल्द प्रस्ताव मांगा है। चौफटका से कालिंदीपुरम के बीच फ्लाई ओवर लंबे समय से प्रस्तावित है लेकिन किसानों के विरोध तथा अन्य वजहों से गतिरोध बना हुआ है। इसका निर्माण महाकुंभ-2025 से पहले कराने की योजना है। ऐसे में अब इसके लिए फिर से कवायद तेज की गई है। इसी क्रम में उप मुख्यमंत्री ने अफसरों से जल्द से जल्द विस्तृत प्रस्ताव शासन भेजने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि बजट की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ गतिरोध भी दूर किए जाएंगे। रिंग रोड, राम पथ गमन मार्ग के लिए जमीन अधिग्रहण जल्द रिंग रोड और राम पथ गमन मार्ग का निर्माण भी जल्द शुरू होगा। जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अफसरों का कहना है कि रिंग रोड के लिए पहले चरण में होने वाले कार्य के लिए जमीन चिह्नित किए जाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। दोनों ही परियोजनाओं के लिए इसी महीने नोटिफिकेशन जारी कर काश्तकारों से आपत्तियां लिए जाने की तैयारी है।गंगा पर एक और पुल बनाने की तैयारी है। लवायन कला से छतनाग के बीच पुल के लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री की ओर से संकेत मिलने के बाद इसकी कवायद तेज कर दी गई है।

जिला पंचायत सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम के दूसरे दिन वीना देवी एवं उनकी टीम के द्वारा ढेढ़िया लोक नृत्य का प्रदर्शन कर लोगो को किया मंत्रमुग्ध

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिलीप जयसवाल

गाजिपुर।आजादी का अमृत महोत्सव आयोजन की श्रृंखला में स्वतंत्रता सप्ताह एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत संस्कृति विभाग की ओर से आयोजित सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम के दूसरे दिन जिला पंचायत सभागार में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा महानगर अध्यक्ष श्री गणेश केसरवानी व अन्य मा0 जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में वीना देवी व उनकी टीम के द्वारा तिरंगा ढेढ़िया लोक नृत्य का प्रदर्शन कर उपस्थित लोगो को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर पूर्णिमा शुक्ला तथा अन्य कलाकारों के द्वारा देश भक्ति से ओत-प्रोत गीत प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष श्री गणेश केसरवानी ने कलाकारों का उत्साह वर्धन करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री शिपू गिरि, जिला विकास अधिकारी श्री भोलानाथ कनौजिया, पीडी श्री अशोक मौर्या, क्षेत्रीय अभिलेख अधिकारी मो0 मोहसिन नूरी सहित अन्य अधिकारीगणों के अलावा काफी संख्या में लोग उपस्थित रहें।

तिरंगामय हुए गंगा घाट छटा ऐसी जो देशभक्ति का जुनून जगाए

वाराणसी । आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर काशी के घाट भी तिरंगामय हुए। नमामि गंगे ने नमो गंगे ने नमो घाट से गंगा संग तिरंगा यात्रा निकाली। तिरंगा यात्रा के दौरान गंगा का घाट तिरंगामय हो गया। सभी ने हाथों में तिरंगा लहरा कर भारत माता की जय की हुंकार भरी। घाटों पर वंदे मातरम एवं रघुपति राघव राजा राम की गूंज सुनाई पड़ी। स्वतंत्रता संग्राम की साक्षी मां गंगा के तट पर देशभक्ति का जज्बा जागृत हुआ। नमामि गंगे टीम ने भारत की वसुंधरा को गौरवान्वित करने वाली महारानी रानी लक्ष्मीबाई की जन्मस्थली पर उपस्थित होकर महारानी लक्ष्मीबाई की आरती उतारी। हर हाथ में तिरंगा लहराए और हर जुबां पर भारत माता की जय हो। हर घर तिरंगा - हर घाट तिरंगा अभियान में सभी बढ़ चढ़कर हिस्सा लें हमारी सभी से यही अपील है। आयोजन में प्रमुख रूप से काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला, सारिका गुप्ता, बीना गुप्ता, सीमा चौधरी, पुष्पलता वर्मा, कीर्तन बरनवाल, अभय यादव, अजय मिश्रा, आनंद राय व सैकड़ों की संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

घाट से तिरंगा यात्रा निकाली। साथ ही हर घर तिरंगा-हर घाट तिरंगा अभियान में सभी से बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर हर काशीवासी के घर व मोक्षदायिनी मां गंगा के सभी घाटों पर तिरंगा फहराने के आग्रह के बीच नमामि

मुख्तार अंसारी पर योगी सरकार की बड़ी कार्रवाई, पत्नी आफ्शां अंसारी की करीब छः करोड़ की संपत्ति कुर्क

वाराणसी ।पूर्व विधायक और बाहुबली नेता मुख्तार अंसारी पर योगी सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। यूपी पुलिस ने उसकी पत्नी आफ्शां अंसारी के नाम दर्ज दो जमीनों को कुर्क कर दिया है। इसे अवैध कमाई और बेनामी संपत्ति मानते हुए कुर्क किया गया है। योगी सरकार की ओर से अपराध और अपराधियों के खिलाफ अभियान के तहत पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी की करीब 6.30 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति कुर्क की गई। यह कार्रवाई सदर कोतवाली क्षेत्र के रजदेपुर और फतेहउल्लाहपुर में स्थित दो जमीनों पर हुई। एसपी रोहन पी बोत्रे के नेतृत्व में पुलिस और राजस्व टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। एसपी ने बताया की पिछले 30-40 दिनों में अवैध रूप से अर्जित की गई करीब 25 करोड़ की संपत्ति कुर्क की गई है।उन्होंने बताया कि दो अगस्त को थाना मुहम्मदाबाद के प्रभारी निरीक्षक ने विवेचक प्रेषित किया गया। जिसके आख्या पर तीन अगस्त को अभियुक्त मुख्तार अंसारी पुत्र सुभानुल्लाह अंसारी निवासी दर्जी टोला यूसुफपुर थाना मोहम्मदाबाद के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित हुई।जो जनपद में एक गिरोह बनाकर लोक व्यवस्था को अस्त-व्यस्त करने अपने स्वयं के तथा अपने गैंग के सदस्यों के लिए आर्थिक तथा भौतिक व अन्य लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से अकेले एवं सामूहिक रूप से आपराधिक कार्य में बेनाम अचल संपत्ति अर्जित किया गया। कुर्क की गई संपत्ति मुख्तार की पत्नी आफ्सा अंसारी के नाम से शहर के मोहल्ला रजदपुर और फत्तेउल्लहपुर में है। रजदेपुर देहाती में 0.394 हेक्टेयर और फत्तेउल्लाहपुर में 1.507 हेक्टेयर भूमि है।

सपा नेता की संपत्ति कुर्कः पुलिस फोर्स के पहुंचते ही इसरार अहमद के घर मचा हड़कंप

वाराणसी । दो गाड़ी और घर का सामान कुक सपा नेता इसरार अहमद पर पुलिस ने आज बड़ी कार्रवाई करते हुए घर की कुर्की कर दी है। सपा नेता समेत चार आरोपियों पर दस-दस हजार रुपये घोषित किए थे टीईटी परीक्षा में नकल कराने वाले गैंग के खुलासा के बाद अब गैंग के फरार मेंबरों पर शिकंजा कसने की तैयारी है। जिले में फरार चल रहे चार नकल माफियाओं के खिलाफ पुलिस ने कुर्की की कार्रवाई करने के लिए कोर्ट में आवेदन किए थे। इसके साथ ही फरार नकल माफिया सपा नेता इसरार अहमद सहित चार आरोपियों पर पुलिस ने दस-दस हजार रुपये का पुरस्कार भी घोषित किया था। इसके बाद भी आरोपी हाजिर नहीं हुए। जिसके बाद सपा नेता एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख इसरार अहमद के घर पुलिस बल पहुंची और कुर्की की कार्रवाई की। जनवरी माह में हुए शिक्षक पात्रता परीक्षा की सुचिता भंग करने का जिले में बड़ा प्रयास हुआ था। जिसका खुलासा पुलिस से पहले अमर उजाला ने परीक्षा वाले दिन 23 जनवरी 2022 को ही कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने प्रकरण का खुलासा किया और लगभग 51 लाख रुपये के चेक व कैश की बरामदगी दिखाने के साथ ही 22 लोगों को गिरफ्तार किया था।इसके साथ ही पुलिस ने आठ लोगों को फरार बताया था। जिन्हें दो माह के लंबे समय के बाद भी पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी है। प्रकरण की विवेचना सीओ लालगंज मनोज रघुवंशी कर रहे थे। आरोपियों से पूछताछ में आठ अन्य आरोपियों के नाम सामने आए थे जिसमें से चार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं चार आरोपी अब भी फरार चल रहे है। फरार आरोपियों में पूर्व प्रमुख सपा नेता इसरार अहमद, महराजगंज थाने के सिंघवारा खास गांव निवासी जगजीवन, शहर के आहोपट्टी गांव निवासी सुनील यादव और शहर के रैदोपुर गांव निवासी तुषार सिंह शामिल आरोपियों पर पुलिस ने 10-10 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया है। यहीं नहीं पुलिस ने इन आरोपियों के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर एक माह पूर्व कार्रवई कर चुकी है। इनके घर पर नोटिस चस्पा कर कोर्ट में पेश होने के लिए कहा गया था।इसके बाद भी आरोपी ना तो गिरफ्तार हुए, ना ही कोर्ट में समर्पण किया। ऐसे में अब पुलिस ने इन फरार आरोपियों के घर कुर्की की कार्रवाई के लिए अदालत में अपील की। कोर्ट के आदेश पर पुलिस शनिवार को सम्मोपुर गांव निवासी सपा नेता एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख इसरार अहमद के घर पहुंचकर कुर्की की कार्रवाई की। पुलिस ने इसरार अहमद के नाम पर दो चार पहिया वाहन व घर में रखे सामानों को कुर्क किया।

तिरंगा टैटू का क्रेज, तिरंगा साड़ी कुर्ते और टोपी खरीद रहे लोग

वाराणसी । स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लोगों में देशभक्ति का रंग देखने को मिल रहा है। देश की आजादी के दिन को खास अंदाज में मनाने के लिए लोग तिरंगा कपड़ा खरीद रहे हैं। वहीं, अमृत महोत्सव को यादगार बनाने के लिए युवा तिरंगे का टैटू बनवा रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस को दो दिन बचे हैं। पूरा शहर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आ रहा है। बाजार में खरीदारी भी जोरों पर चल रही है। हेयरबैंड से लेकर टोपियां भी तिरंगे में आ गई हैं। तिरंगे की बिक्री भी बढ़ गई है। छात्र-छात्राएं ही नहीं युवक, युवतियां व महिलाएं भी आजादी का जश्न मनाने के लिए झंडे के साथ तिरंगा टोपी, हेयरबैंड, रिस्टबैंड सहित अन्य चीजें खरीद रही हैं। तिरंगा परिधान के साथ मैचिंग एसेसरीज बाजारों में धूम मचा रही हैं। देश की आजादी के दिन को खास अंदाज में मनाने के लिए लोग तिरंगा कपड़ा खरीद रहे हैं। लंका, गोदौलिया, बेनियाबाग, दालमंडी में महिलाएं सफेद कुर्ती के साथ केसरिया दुपट्टा और हरे रंग का प्लाजो व सलवार खरीद रही हैं। तिरंगे वाली साड़ी की भी खूब मांग है। तिरंगे रंग की ज्वेलरी की भी डिमांड लंका स्थित दुकान के संचालक रमेश ने बताया कि तिरंगे परिधान के साथ मैचिंग एसेसरीज के लिए महिलाएं व युवतियां ज्वेलरी खरीद रही हैं। बाजार में हरे, सफेद व केसरिया रंग के मोती ओर स्टोन के झुमके, ब्रेसलेट, रिंग की खूब बिक्री हो रही है। तिरंगा टैटू का भी क्रेज देश की आन बान शान तिरंगा अब युवाओं के हाथ, गर्दन और बाजू पर भी दिखेगा। अमृत महोत्सव को यादगार बनाने के लिए युवा तिरंगे का टैटू बनवा रहे हैं। पुरुषों के साथ ही महिलाओं में भी इसका क्रेज है।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रर्मो की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
   नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः 15 अगस्त 2022
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

सम्पर्क सूत्रः– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

सम्पादकीय

भारतीय आजादी का ही नहीं, विश्वविख्यात लेखक का भी अमृत महोत्सव

हम इस कायरतापूर्ण और वहशियाना हमले की निंदा करते हैं और सलमान रुश्दी की जिंदगी की कामना करते हैं। रुश्दी अभी वेंटिलेटर पर हैं। उनके एजेंट के मुताबिक उनके लिवर और एक आंख पर गहरी चोट है। सलमान रुश्दी और उनके बुकर पुरस्कार प्राप्त उपन्यास मिडनाइट्स चिल्ड्रन का नायक भारतीय आजादी की तरह आधी रात की संतान है। इसी रूपक के जरिए सलमान रुश्दी अपनी जादुई यथार्थवाद की शैली में भारतीय आजादी का क्रिटीक गढ़ते हैं।इस उपन्यास के प्रथम संस्करण में इंदिरा गांधी को जगह जगह अंग्रेजी के कैपिटल अक्षरों में छ्वॅ लिखा गया था। इंदिरा गांधी ने इसे ब्रिटेन के कोर्ट में चुनौती दी। इंदिरा गांधी ने मुकदमा जीता और फलस्वरूप उपन्यास के अगले संस्करणों से इंदिरा गांधी की आलोचना को हटाया गया। पिछले कई दशकों से यूरो डॉलर, स्कॉच और स्त्रियों के रसिया सलमान रुश्दी पहले ब्रिटेनकमजोर इन्फ्रास्ट्रक्चर, जजों की कमी और जजों की सुरक्षा पर उन्होंने चिंता जाहिर की। परंतु उनकी सबसे बड़ी बेचैनी सोशल मीडिया के माध्यम से चल रही 'कंगारू कोर्ट' के बढ़ते प्रचलन पर है, जिससे अधिकांश जज त्रस्त चल रहे हैं। टीवी चैनलों और सोशल मीडिया में उत्तेजक बहसों से क्या न्यायपालिका पर दबाव पड़ता है सेलिब्रिटीज और बड़े आपराधिक मामलों में मीडिया ट्रॉयल (र्शे ऊैग्त) से क्या न्यायिक व्यवस्था प्रभावित होती है? अनेक चर्चित मामलों की सुनवाई और फैसलों से इन सवालों का जवाब हां में दिया जा सकता है। इसके बाद सबसे मौजूं सवाल यह है कि क्या न्यायपालिका से आम जनता की उम्मीदें धुंधली हो गई हैं? इस सवाल के जवाब के लिए नवनिर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू (ऊ्देर्ल्ज्ग् थ्रीस्रु) के सबसे अहम बयान पर गौर करना जरूरी है, जिसमें उन्होंने वंचित वर्ग के उत्थान के लिए सबके प्रयास और सबके कर्तव्य का आवाहन किया है। आजादी के 75वें साल में देश के गणतंत्र और सांविधानिक व्यवस्था का लेखा-जोखा करना जरूरी है। इससे दो बातें साफ होती हैं। पहला-रिपोर्ट कार्ड में फेल विधायक, सांसद, मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री समेत किसी भी नेता को जनता पांच साल बाद खारिज कर सकती है। अफसरों के खिलाफ मुकदमा और बर्खास्तगी भी आम बात हो गई है। लेकिन न्यायपालिका अब भी औपनिवेशिक आग्रहों से घिरी है। इसकी वजह से संविधान की प्रस्तावना में जनता के कल्याण का सपना अधूरा है। आजादी के बाद 75 सालों में न्यायपालिका के विकास और फिर अमेरिका की कड़ी सुरक्षा में रह रहे हैं। कल वे न्यूयॉर्क में एक व्याख्यान देने के लिए गए जिसका शीर्षक था - अमेरिका : निर्वासित लेखकों की शरणगाह और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सुरक्षित घर! व्याख्यान शुरू भी नहीं हुआ था कि इस कथित 'सुरक्षित घर' में एक चौबीस वर्ष के हमलावर ने रुश्दी को चाकुओं से गोद दिया। हमलावर ने रुश्दी को ही लहूलुहान नहीं किया बल्कि उसने उस विषय को भी लहूलुहान कर दिया जिस पर सलमान रुश्दी व्याख्यान देने वाले थे। इस हमले का संबंध जरूर उनके ठसेटेनिक वर्सेसठ नामक उपन्यास से निकलेगा, जिसमें वे इस्लाम और मुहम्मद साहब पर टिप्पणियां कर गए थे और उसके बाद से ही वे सलमान रुश्दी अयातुल्ला खुमैनी के फतवे के निशाने पर हैं। दरअसल, सलमान रुश्दी वी एस नायपॉल की तरह प्रोवोकेटिव राइटिंग के उस्ताद हैं और पिछले बहुत बरसों से नोबेल पुरस्कार का इंतजार करते हुए दिन गुजार रहे हैं। लेकिन नोबेल पुरस्कार से पहले चाकू मिल गया। हम इस कायरतापूर्ण और वहशियाना हमले की निंदा करते हैं और सलमान रुश्दी की जिंदगी की कामना करते हैं। रुश्दी अभी वेंटिलेटर पर हैं। उनके एजेंट के मुताबिक उनके लिवर और एक आंख पर गहरी चोट है। इस घटना ने फिर साबित कर दिया कि सुरक्षा (एम्लिगूब) एक मिथ है। आती हुई मौत को कोई सुरक्षा एजेंसी नहीं रोक सकती । लिखना सचमुच अब जोखिम का काम होता जा रहा है। यह विश्वव्यापी भयानक समय है ।

एक अतीत और एक किस्साः लिखने के खतरे व्हाया सलमान रुश्दी और हमारी आजादी का अमृत महोत्सव

19 जून 1947 को बंबई में जन्में सर अहमद सलमान रुश्दी स्वयं को 'मिडनाइटस चिल्ड्रन' में गिनते हैं। इस विश्वविख्यात रचनाकार के दूसरे उपन्यास का नाम है, 'मिडनाइट्स चिल्ड्रेन' अपने स्पष्ट गद्य के लिए प्रशंसित सलमान रुश्दी इसके पहले भी परेशानी में पड़ चुके हैं। उनका काम मुख्य रूप से पूर्वी तथा पश्चिमी सभ्यताओं के अवरोधों तथा प्रवासन को एड्रेस करता है, साथ ही वे प्रवासी की तरह भारत पर पैनी नजर रखते हैं। 19 जून 1947 को बंबई में जन्में सर अहमद सलमान रुश्दी स्वयं को 'मिडनाइटस चिल्ड्रन' में गिनते हैं। इस विश्वविख्यात रचनाकार के दूसरे उपन्यास का नाम है, 'मिडनाइट्स चिल्ड्रेन' जिसमें वे 1915 से लेकर 1977 तक के भारत को चित्रित करते हैं पूरी असल कहानी 1947-1977 के बीच चलती है। इस तरह यह ऐतिहासिक उपन्यास भारत की स्वतंत्रता और उसके तीन दशक के इतिहास, उसकी प्रमुख घटनाओं, उसके प्रमुख व्यक्तियों को समेटता चलता है। दरअसल, इस घोषित आत्मकथात्मक मैजिकल रियलिज्म उपन्यास ने रुश्दी को उत्तरोपनैवेशिक साहित्य का एक प्रमुख उपन्यासकार बना दिया और उन्हें 1981 में बुकर पुरस्कार दिला दिया। कुछ साल बाद 1993 में इसी के लिए उन्हें बुकर ऑफ़ बुकर्स से भी नवाज गया। और फ़िर 2008 में बेस्ट ऑफ़ बुकर भी उन्हें मिला। ब्रिटेन ने उन्हें 'सर' की उपाधि दी है। अभी वे अमेरिकन नागरिक हैं। आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, सलमान रुश्दी भी 75 साल हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, सलमान रुश्दी भी 75 साल के हुए हैं। साहित्यिक दुनिया उन्हें नोबेल पाने और उसका समारोह मनाने की प्रतीक्षा कर रही थी पर आज वे कट्टरपंथ के हाथ घायल हो वेंटिलेटर पर हैं सलमान रुश्दी की झोली में उपरोक्त उपन्यास के अलावा 'शालीमार द क्लाउन', 'शेम', 'द ग्राउंड बिनीथ हर फ़ीट', 'फ़्यूरी', 'गोल्डेन हाउस', 'द मूर्स लास्ट साई', 'द सैटनिक वर्सेस' भी हैं, अपने बेटे केलिए 'हारुन एंड द सी ऑफ़ स्टोरीज' लिखा, साथ ही गद्य के अन्य तमाम नमूने भी हैं।व्यंजनापूर्ण कार्य द्वारा वे विचारपूर्ण हास्य गद्य में अपनी बात कहने वाले इस लेखक का चौथा उपन्यास 'द सैटनिक वर्सेस' 1988 में ब्रिटेन में और 1989 में अमेरिका में प्रकाशित हुआ और इसके प्रकाशित होते ही साहित्यिक और राजनैतिक इलाकों में भूचाल आ गया। एक धार्मिक नेता ने उनका सिर काटकर लाने पर ईनाम घोषित कर दिया। जाहिर है लिखने के अपने जोखिम और खतरे होते हैं, तो रुश्दी को भूमिगत होना पड़ा। राज्य से सुरक्षा लेनी पड़ी। रहने के ठिकाने बदलने पड़े। मुझे शक है फ़तवा देने वाले और उसे कारगर करने के लिए जोश वालों ने उपन्यास पढ़ा है। हालांकि रुश्दी ने मुसलमानों से माफ़ी मांग ली इसके बावजूद उन्हें छिपकर रहना पड़ रहा था। कहा जा रहा है कल का हमला उसी फ़तवे का एक्टेन्शन है। फ़तवा देने वाला नहीं रहा मगर हम जो बोलते हैं वह रह जाता है। बहुत सोच-समझ कर बोलना चाहिए। सलमान रुश्दी की नजर और दुनिया अपने स्पष्ट गद्य के लिए प्रशंसित सलमान रुश्दी इसके पहले भी परेशानी में पड़ चुके हैं। उनका काम मुख्य रूप से पूर्वी तथा पश्चिमी सभ्यताओं के अवरोधों तथा प्रवासन को एड्रेस करता है, साथ ही वे प्रवासी की तरह भारत पर पैनी नजर रखते हैं। दरअसल उनका दूसरा उपन्यास ब्रिटिश उपनिवेशवाद से स्वतंत्रता और स्वतंत्रता के कुछ दशक बाद तक को दिखाता है। यह कहानी उन्होंने कई पात्रों के द्वारा कही है मुख्य पात्र सलीम सिनाई उसी समय पैदा होता है जब नेहरू भारत की स्वतंत्रता की घोषणा कर रहे थे।यह उपन्यास अचार फ़ैक्टरी में काम करने वाले सलीम की तीन पीढ़ियों के जीवन और अनुभवों को समेटा हुआ श्रीनगर, अमृतसर, आगरा, बंबई, कराची में पाठकों को ले जाता है। इस सबके बीच देश की तमाम वास्तविक घटनाओं यथा भारत छोड़ो, कैबिनेट मिशन, मुस्लिम लीग, दंगों, जलियांवाला बाग, माउंटबेटन, पाकिस्तान युद्ध, बांग्लादेश मुक्ति आदि को समेटता है। भारत के उत्थान-पतन की कहानी कहता है। यहाँ फ़िल्म हैं, मिथक हैं, राजनीति और धर्म हैं, दोस्ती और दुश्मनी हैं। उपन्यास भारत विभाजन, प्रवासियों का संघर्ष-कठिनाइयां उनकी अस्मिता, नए देश में उनके विचित्र अनुभव और नए संबंध, परिवार, समुदाय, देश सब पर अंगुली धरता है। इसके पहले संस्करण में 'विधवा' शब्द मुख्य रूप से रेखांकित किया गया था जिस पर इंदिरा गांधी ने ब्रिटेन के कोर्ट में मुकदमा किया वे जीत गई और प्रकाशक को अगले संस्करण में यह शब्द हटाते हुए कुछ सुधार किया। अब तो इस उपन्यास पार फ़िल्म बन चुकी है जो मुझे बहुत अच्छी नहीं लगी। जिस पर फ़िर कभी।रुश्दी पर किताबें और उनकी जिंदगी रुश्दी पर किताबें लिखी गई हैं, लिखी जाएंगी। इंग्लिश भाषा पर रुश्दी का अधिकार तथा यथार्थ और कल्पना का अद्भुत मिश्रण चकित करने वाला उनका 'दि एंचान्ट्रेस ऑफ़ फ्लोरेंस' अपने नाम के अनुरूप पाठक को अपनी माया में घेरता है। यहां रुश्दी अकबर, अधम खान, बाबर, मेकियावेली, ओटोमन साम्राज्य के सुल्तान महमद, बायजिद, सलीम जैसे ऐतिहासिक चरित्रों के साथ-साथ कारा कोज़ या काली आंखों वाली लेडी का काल्पनिक चरित्र गढ़ते हैं। इस मैजिक रियलिज्म की कहानी फ़तेहपुर सीकरी में अकबर के दरबार में प्रारंभ होती है। सात भाषाओं में स्वप्न देखने वाला एक युवा यूरोपियन यात्री दरबार में पहुंचता है और अकबर को अपना रिश्तेदार बताता है। कहानी सुनाते हुए दावा करता है कि वह इंग्लैंड की महारानी का राजदूत और बाबर की सबसे छोटी बहन का बेटा है। यह शहजादी कारा कोज़, 'लेडी ब्लैक आईज' न केवल गजब की सुंदरी है वरन उसके पास मायावी शक्ति है। अपनी जान बचाने के लिए इस जादूगरनी को बाबर ने एक उज़्बेक को दे दिया। वहां से वह फ़ारस के शाह के पास पहुंची और अंततः ओटोमन सुल्तान की सेना के कमांडर अर्गालिआ की प्रेमिका बनी। कारा कोज़ पुरुषों की दुनिया में अपना भाग्य लिखने की चेष्टा कर रही है। कारा का चरित्र पुरुष की आंख से रचा गया है, उसकी सत्ता बहुत सीमित है, मात्र बिस्तर तक, यह राजसी बिस्तर हो भी हो सकता है। मंत्रमुग्ध करने वाले इस उपन्यास में रुश्दी फ़तेहपुर और फ्लोरेंस दोनों शहरों को सजीव करते हैं। पाठक सम्राट अकबर की राजधानी वैभवशाली सीकरी, अकबर के शयनकक्ष की झाँकी पाता है। अकबर धर्म, विश्वास-आस्था, लालसा के प्रशनें से जूझ रहा है, बेटों के षडयंत्र, पतनें और एक मानसिक पतनें-प्रेमिका का सामना उसे करना है। पूरा फ्लोरेंस इस बला की खूबसूरत स्त्री के इंद्रजाल में पड़ता है। वह सुंदरता ही क्या जो मुसीबत न खड़ी करे? इस उपन्यास में भी कारा कोज़ तमाम समस्याओं की जड़ बनती है। 'दि एंचान्ट्रेस ऑफ़ फ्लोरेंस' के कारण नहीं पर अन्य कई कारण से कई बार सलमान रुश्दी मुसीबत में पड़े हैं। इस बार उनके लिए यह जीवन-मरण का प्रशन बन गया है। कल वे न्यूयॉर्क के एक सुदूर इलाके में 'अमेरिकाः निर्वासित लेखकों की शरणस्थली तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सुरक्षित घर'। पर अमेरिका भी सुरक्षित नहीं है। वहां भी टॉवर गिरते हैं और अब साहित्य के एक टावर पर निंदनीय हमला हुआ है। वे जल्द स्वस्थ हों यही कामना है।

मतदाता का परिपक्व होना ही लोकतंत्र का अमृत कलश, इस दिशा में प्रयास आवश्यक

स्वाधीनता के 75 वर्षों में एक संप्रभु स्वाधीन राष्ट्र के रूप में भारत ने क्या हासिल किया, कितना हासिल किया, किन मामलों में हम अब भी पीछे हैं, भारत के समानांतर स्वतंत्र हुए राष्ट्र अथवा चीन जैसा देश जहां नई साम्यवादी शासन प्रणाली लागू हुई, वो आज हमारी तुलना में कहां खड़ा है आदि कई सवाल हैं, जो हर जागरूक भारतीय के मन को मथते हैं। इन सवालों के कई जवाब हो सकते हैं, सकारात्मक भी नकारात्मक भी, क्योंकि उपलब्धियों का डाटा ट्रेंड हमें उन दूर-दराज के अनपढ़ और आदिवासी इलाकों में भी देखने को मिल रहा है, जिसे अमूमन हम 'पिछड़ा' कह देते हैं। ऐसे क्षेत्र भौतिक विकास की परिभाषा में भले मिसफिट हों, लेकिन मतदाता की मैच्योरिटी के मामले में अगड़े और परिपक्व ही माने जाने चाहिए। महत्वपूर्ण यह है कि इस देश का वोटर राजनीतिक विविधता को भी संभाले हुए है। पहले कांग्रेस और अब भाजपा के रूप में एक पार्टी का सर्वसत्तावाद वोटर खारिज भी करता रहा है। यही राजनीतिक, विकास का बड़ा अस्त्र बना लिया है। भारत को अपनी ताकत का मोलभाव करना आ गया है। इसके पहले पं.नेहरू और इंदिरा गांधी के जमाने तक दो ध्रुवीय विश्व में भारत ने गुटनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में एक धुरी बनने की कोशिश की थी, जिसमें हमे आंशिक सफलता भी मिली, लेकिन 21वीं आते-आते वैश्विक संतुलन बदल चुका है। लिहाजा भारत विश्व के दस अग्रणी देशों में शुमार है, इस सत्य को झुठलाना आईने को नकारने के समान

अपेक्षाओं की भौतिक तुला में ही तौला जाएगा। लेकिन जो सबसे अहम बात है और शायद सबसे बड़ी उपलब्धि भी कि भारत ने इन 75 वर्षों में बड़े संघर्ष के बाद हासिल लोकतंत्र को न सिर्फ कायम रखा है बल्कि इसके स्थायित्व और वैविध्य को लेकर देश का मतदाता उत्तरोत्तर परिपक्व होता जा रहा है। बावजूद इसके कि आज राजनीतिक पार्टियां एक दूसरे पर मतदाता को रिझाने 'रेवड़ी बांटने', वोटर को खरीदने या गुमराह करने जैसे आरोप लगा रही है।देश में लोकशाही की कायमी का कारण न केवल शिक्षा का प्रसार है, बल्कि मतदाता की उस अंतरात्मा का भी जागृत होना है, जो वोटर को परिस्थिति और वक्त की पुकार के अनुसार मत डालने को प्रेरित करता है। बीते एक दशक में इसका सबसे बढ़िया उदाहरण दिल्ली प्रदेश का है, जहां मतदाता लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकायों में अलग-अलग ढंग से वोट व्यवहार करता है दिल्ली के बारे में कहा जा सकता है कि वह सुशिक्षितों का शहर है, लेकिन यही सांस्कृतिक और सामाजिक विविधता की भारत की आत्मा की सुंदरता है। स्वतंत्रता की 75 वीं सालगिरह पर हम यह विश्वास से कह सकते हैं कि आने वाले समय में भी कोई कितना ही नीचे गिर जाए, भारत की आत्मा को ठेस नहीं पहुंचा सकेगा। जहां तक अपेक्षाओं की बात है तो बहुत सी मंजिलें ऐसी हैं, जहां तक हमें पहुंचना चाहिए था, लेकिन नहीं पहुंच सके हैं। बीते साढ़े सात दशकों में देश में अभी भुखमरी है, कुपोषण है, शिशुओं की अकाल मौत और अपेक्षानुरूप रोजगार की कमी है, हर सिर को छत नहीं है, हर बच्चे को शिक्षा नसीब नहीं है, इलाज की सुविधाएं नहीं है, गरीबी है। राजनीतिक पार्टियां सत्ता स्वार्थ के लिए समाज की विभाजक रेखाओं को और गाढ़ा करने में जुटी हुई हैं। इसका अंतिम छोर क्या है, कोई नहीं जानता। इसके बाद भी यह सच्चाई है आज भारत की आवाज दुनिया में सुनी जा रही हैं। हम निरीहता से एक निश्चयात्मक भूमिका में हैं, क्योंकि हमने अपनी विशाल आबादी को अपने है। 75 वर्षों की उपलब्धियां बीते 75 वर्षों में हमने कई कामयाबियां हासिल की हैं। याद करें कि 1947 तक विदेशी सत्ता के अधीन रहते हुए भारत कहां था और अब कहां है? पहला मुद्दा तो आबादी का ही है। तब देश की आबादी 33 करोड़ थी, आज 135 करोड़ है, हालांकि यह कोई बहुत अच्छी बात नहीं है। क्योंकि संसाधनों के वितरण की असमानता और गहरी हुई है। आर्थिक समता के मोर्चे पर हम कामयाब नहीं हुए हैं। हालांकि अगर जीडीपी (सकल राष्ट्रीय उत्पादन) की बात करें तो 1947 में भारत की जीडीपी 2.7 लाख करोड़ रुपये थी जो 2020-21 में 135.58 लाख करोड़ हो गई। आजादी के वक्त भारत की जीडीपी कुल वैश्विक जीडीपी की महज 3 फीसदी थी। पहले हमारी अर्थव्यवस्था में आधी हिस्सेदारी कृषि की थी, अब यह 16 फीसदी रह गई है। भारत में साक्षरता केवल 12 फीसदी थी, जो 74.37 फीसदी हो गई, इसमें भी अहम बिंदु महिला साक्षरता का है।

उम्मीद है जनता अब समझेगी ठराजनीतिक रेवड़ी बनाम लोक कल्याणठ का अंतर

यह महज संयोग नहीं कि आजादी के अमृत महोत्सव की बेला में राजनीतिक रेवड़ी पर रार छिड़ गई है। सियासी गलियारे से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक राजनीतिक खैरात बनाम लोक कल्याण में फर्क समझने की जरूरत महसूस की जा रही है। मेरी कमीज तुम्हारी कमीज से सफेद की तर्ज पर राजनीतिक दलों के बीच हमारी खैरात तुम्हारी खैरात से अलग व जन उपयोगी का ढिंढोरा पीटा जा रहा है। यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है, लेकिन इस रार ने अमृत की उम्मीदें जगा दी हैं।यह महज संयोग है कि आजादी के अमृत महोत्सव की बेला में राजनीतिक रेवड़ी पर जो सियासी रार छिड़ी है, उससे जल्द अमृत निकलने वाला है। सियासी गलियारे से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक राजनीतिक खैरात बनाम लोक कल्याण पर बहस छिड़ गई है। सुप्रीम कोर्ट को सुनवाई के दौरान अब राजनीतिक खैरात बनाम लोक कल्याण में अंतर तलाशने की आवश्यकता महसूस हुई है और सर्वोच्च अदालत ने इस अंतर को समझने के लिए विशेषज्ञों का पैनल तक बनाने का सुझाव दिया है। सभी पक्षकारों से राय मांगी गई है। यहां यह याद दिला देना भी जरूरी है कि इससे पहले 2013 में तमिलनाडु के मामले में राजनीतिक खैरात को सुप्रीम कोर्ट ने ही जायज ठहराया था। राजनीतिक खैरात बनाम लोक कल्याण का फर्क बिहार विधानसभा के 2020 के चुनाव में भाजपा ने वादा किया था कि यदि सरकार बनी तो बिहार में कोरोना की वैक्सीन मुफ्त लगेगी। भाजपा की अगुवाई वाली एनडीए की सरकार बनी और वहां कोरोना के टीके मुफ्त लगे। शुरुआत बिहार से हुई। मुफ्त कोरोना वैक्सीन का यह बिहार मॉडल धीरे-धीरे समूचे देश में लागू हो गया। दरअसल, देश में करीब 200 करोड़ कोरोना टीके लग चुके हैं, जिनमें से औसतन करीब 150 करोड़ टीके मुफ्त लगे हैं। इस पर केंद्र सरकार को अपने स्वास्थ्य बजट में अलग से 35 हजार करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान करना पड़ा था। सवाल उठता है कि क्या यह राजनीतिक खैरात थी या लोक कल्याण? केंद्र सरकार के खजाने पर यह जो वित्तीय बोझ था, क्या वह जनता के पैसे से, जनता के लिए, जनता द्वारा नहीं माना जाना चाहिए। जाहिर है आपदा की इस घड़ी में करोड़ों जरूरतमंदों को मुफ्त कोरोना वैक्सीन राजनीतिक खैरात की श्रेणी में कतई नहीं क्योंकि इस मुफ्त खुराक से करोड़ों आमजनता की जानें बचीं, इम्युनिटी बढ़ीं, वह भी तब जब अस्पतालों में बेड-ऑक्सीजन के लाले पड़ गए थे। इसी कोरोना महामारी के दौरान एकाएक 25 मार्च 2020 को जब लॉकडाउन की घोषणा हुई तो सारी आर्थिक गतिविधियां एकाएक ठप पड़ गईं। कल-कारखाने,दफ्तर आदि बंद हो गए। रोजी-रोजगार पर संकट गहरा गया। लाखों मजदूर घर-बार पैदल लौट पड़ें। तब घरों में खाली हाथ लौटे करोड़ों लोगों को मुफ्त राशन क्या खैरात की श्रेणी में मानी जाए। इसी तरह उज्ज्वला योजना के तहत लाखों परिवारों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन दिए गए। इस योजना के सिक्के का एक पहलू यह था कि गांवों तक घरों में गैस चूल्हे जलने लगे। दूसरा पहलू यह भी था कि गांव से शहर तक के गैस उपभोक्ताओं की सब्सिडी बंद करनी पड़ी और जेब पर बोझ बढ़ गया। इस योजना को शायद इसलिए सरकारी खजाने पर बोझ नहीं माना जाना चाहिए क्योंकि यहां भी जनता के पैसे का ही जरूरतमंद जनता के लिए इस्तेमाल हुआ। एक तरफ सब्सिडी बंद हुई, तो दूसरी मुफ्त गैस कनेक्शन दिए गए। पहले स्वेच्छिक गैस सब्सिडी बंद की अपील का असर दिखा लेकिन आपदा के दौरान आर्थिक खाई पाटने के लिए सभी गैस उपभोक्ताओं की सब्सिडी पूरी तरह बंद कर दी गई। इससे कहीं खुशी तो कहीं गम का आलम दिखा।केंद्र ने स्वच्छता के नाम पर शौचालय निर्माण योजना चलाई। इसका भी असर दिखा। केंद्र सरकार मुफ्त कोरोना टीका, मुफ्त राशन, मुफ्त गैस कनेक्शन, शौचालय निर्माण के लिए वित्तीय मदद जैसी योजनाओं को अपनी उपलब्धि गिनाती है तो फिर यह सवाल भी उठता है कि जिन राज्यों में एक सीमा तक मुफ्त बिजली, पानी, लैपटॉप, स्कूटी, सस्ता अनाज, महिलाओं-किसानों को वित्तीय मदद दी जा रही है या चुनावों के दौरान ऐसे लोकलुभावन वादे किए जाते रहे है, क्या वे राजनीतिक रेवड़ी है या लोक कल्याण।सुप्रीम कोर्ट में ताजा सुनवाई के दौरान आम आदमी पार्टी ने अपनी मुफ्त की योजनाओं के समर्थन में अर्जी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अब कार्यक्रमों में राजनीतिक दलों के मुफ्त वितरण की ऐसी शैली पर सवाल खड़े कर रहे हैं।आम आदमी पार्टी ने मुफ्त बिजली-पानी के बूते अपना विस्तार दिल्ली के बाद पंजाब कर लिया है और अब वह बाकी राज्यों में भी इसी वादे को दोहरा रही है।

शिव कलाओं में दक्ष हैं, भेद मुक्त हैं, वे महायोगी, आदियोगी हैं शिव निर्विकार हैं

उनकी बांहें खुली हुई हैं, जिसमें जीव जगत के सभी प्राणियों के लिए जगह है। वे कैलाशपति हैं, प्रकृति में रची-बसी अनुभूति हैं। शिव तमाम तरह के वैभव से मुक्त हैं, नदी-पहाड़-झरना, पेड़-पालव आदि के सहचर हैं। मन कभी-कभी आध्यात्मिक हो जाता है तो निकल पड़ता है अनंत की यात्रा

पर अपने आराध्य की खोज में। सारे ब्रह्मांड में घूमता है। जाकर वहां रुक सा जाता है जहां सफेद और बर्फीली पहाडियां हैं, खुला आसमान है, कंदराएँ हैं, शिलाएं हैं, जहां किसी आदियोगी के होने की संभावना प्रबल है। ऐसा महायोगी जो रात के चेहरे पर भभूत मल देता है, श्मशान को खेल का मैदान समझता है और देह से मुक्त हुई आत्माओं- प्रेतात्माओं को साथी खिलाड़ी। जिसकी जटाओं में नदियां हैं। जिसने अपने भाल पर चंद्रमा को टिका रखा है। जहां प्रकृति के सारे विरोधी, कमजोर और वंचित साम्य भाव में होते हैं। जहां बाघ और बकरी एक ही घाट पर पानी पीते है। शिव ऐसे महायोगी हैं जिनके अंदर धधकते हुए सूर्य की ज्वाला है, शरद ऋतु की बरसती हुई चांदनी की शीतलता है, हाथ में त्रिशूल है, डमरू है। समुंदर से मथे हुए विष का पान करने वाला वह आदियोगी, त्रिनेत्रधारी नटराज भव सागर में खड़े जहाज की तरह है। बर्फीली पहाड.ियों के शिलाओं पर ध्यान मुद्रा में बैठे शिव के यहां कोई दरबार नहीं लगता, सभी एकमेव स्थिति में रहते हैं, यहां तक कि विरोधी भी। शिव किसी बंधी बधाई मान्यताओं की डोर थामे नहीं चलते, बल्कि उन सभी का उल्लंघन करते हुए एक नई दुनिया रचते हैं। श्मशान में शिव प्रेतों के साथी हैं, जली हुई चिताओं की राख उनके लिए होली का रंग है जो वे खुद के और पिशाचों के चेहरे पर मल देते हैं, जंगल में वे विषैले सांप-बिच्छुओं के अगुआ हैं। नीलकंठ गरल पीकर भी इतने सरल हैं कि सर्प को गले में लपेट रखा है। शिव निष्कपट हैं इसलिए क्रोधी भी हैं।

संक्षिप्त समाचार

लाल किले पर सोमवार को आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में लगभग 7,000 लोग शामिल होंग

नई दिल्ली। तिरंगा फहराए जाने तक लाल किले के आसपास के पांच किलोमीटर के क्षेत्र को नो काइट फ्लाइंग जोन के रूप में चिह्नित किया गया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के ड्रोन रोधी सिस्टम भी लगाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि लाल किले पर और उसके आसपास हाई रेज्यूलेशन के सुरक्षा कैमरे लगाए हैं और उनके फुटेज की चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है। इस बार समारोह में आमंत्रित लोगों की संख्या बढ़कर 7,000 हो गई है। किले के प्रवेश बिंदु पर भी एफआरएस कैमरे तैनात किए गए हैं। उन्होंने कहा कि लाल किला परिसर में लंच बॉक्स, पानी की बोतलें, रिमोट से नियंत्रित कार की चाबियां, सिगरेट लाइटर, ब्रीफकेस, हैंडबैग, कैमरा, दूरबीन, छाता और इसी तरह की अन्य वस्तुओं की अनुमति नहीं होगी।
विशेष पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) दीपेंद्र पाठक ने कहा कि दिल्ली में धारा 144 के प्रावधान पहले ही लागू कर दिए गए हैं। 13 अगस्त से 15 अगस्त तक लाल किले पर कार्यक्रम के अंत तक पतंग, ड्रोन, गुब्बारे, चीनी लालटेन और मानव रहित उड़ने वाली वस्तु को उड़ाने की अनुमति नहीं है। इन्हें पकड़ने के लिए लालकिले पर रडार तैनात किए जाएंगे। अगर कोई ऐसा करता हुआ पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। इसके अलावा पतंगों को पकड़ने के लिए 13 व 15 अगस्त को हर बीट में एक बीट सिपाही तैनात किया जाएगा।

हिमाचल में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट, नदी-नालों से दूर रहने की सलाह

नई दिल्ली। पूरे प्रदेश में 19 अगस्त तक बारिश जारी रहने का पूर्वानुमान है। भारी बारिश की स्थिति में पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन हो सकता है। अलर्ट को देखते हुए पर्यटकों व स्थानीय लोगों को नदी-नालों से दूर रहने की सलाह दी गई है। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की ओर से प्रदेश में 14 अगस्त को भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। वहीं 15 अगस्त के लिए येलो अलर्ट जारी हुआ है। पूरे प्रदेश में 19 अगस्त तक बारिश जारी रहने का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग के अनुसार भारी बारिश की स्थिति

में पानी, बिजली व संचार सेवाओं में व्यवधान हो सकता है। वहीं, पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन हो सकता है। अलर्ट को देखते हुए पर्यटकों व स्थानीय लोगों को नदी-नालों से दूर रहने की सलाह दी गई है और संबंधित विभागों की ओर से जारी एडवाइजरी का पालन करने की सलाह दी गई है। नित्थर में भारी बारिश से कई घर नष्ट, कई घर ढहने की कगार पर नित्थर उप तहसील में बरसात ने अपना कहर बरपाया है। भारी बारिश से उप तहसील के कई ग्रामीण घरों से बेघर होने को मजबूर हो गए हैं। कई ग्रामीणों के घर तबाह हो गए हैं तो कई के घर ढहने की कगार पर पहुंच चुके हैं। कुदरत का रौद्र रूप देखकर प्रभावित परिवार डर के साये में जीने को मजबूर है। ग्राम पंचायत घाटू के डपलाड़ गांव में टिकम राम का घर भारी बारिश से भूस्खलन की जद में आकर पूरी तरह से तबाह हो गया है। इसी पंचायत के तहत करोड़ गांव के शिव राम, छाया राम और ओम प्रकाश का घर भी रहने योग्य नहीं बचा है।

पीएसी में हुआ हाफ मैराथन का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
अतुल वर्मा

झाँसी। स्वतंत्रता की 75वीष्ट वर्षगांठ के अवसर पर देशभर में मनाए जा रहे आजादी के अमृत महोत्सव में अमृत सप्ताह 11/08/2022 से 17/08/2022 के क्रम में दिनांक 12/08/2022 को सेनानायक के.पी. यादव नेतृत्व में मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। सेनानायक द्वारा राजगढ़ स्थित 33वी वाहिनी पीएसी के गेट न0 2 से हरी झंडी दिखाकर दौड़ का शुभारंभ किया। जिसमे जवानों द्वारा बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया गया। जिसमे प्रथम स्थान- आशाराम , द्वितीय स्थान -अमजद खान ,तृतीय स्थान- नीलेश कुमार, चतुर्थ स्थान -महेश प्रताप ,पंचम स्थान -सुख राम ने प्राप्त किया । महोदय द्वारा जवानों के उत्साहवर्धन हेतु नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया तथा अन्य पांच जवानों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। आयोजन को सफल बनाने में सहायक सेनानायक राहुल पाण्डेय , शिविरपाल विजय राज सिंह, सूबेदार सैन्य सहायक अरविन्द कुमार राय योगदान रहा।

कुरान मे देश व समाज की भविष्य में घटित होने वाली हर घटना का जिक्र किया गया है

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। 6 अक्टूबर 2016 को मेरे साथ एक अद्भुत घटना घटी तथा अत्यधिक हैरान कर देने वाली उक्त घटना का विभिनन्न धर्म ग्रंथों का अध्ययन करने पर पता चला कि इसी घटना का दावा पूर्व में इब्राहिम ने, मूसा ने, ईसा ने, मोहम्मद आदि ने किया था तथा उक्त घटना का सबसे सटीक वर्णन कुरान में मिला तथा पाक कुरान के गहन अध्ययन के बाद मानव जाति को हैरान कर देने वाली खोजे सामने आई तथा मेरे द्वारा उक्त घटना 6 अक्टूबर 2016 के बाद जो भी जीवन में कार्य किया गया कुरान के निर्देशों के मुताबिक ही किया गया उसी संदर्भ में आज प्रेस वार्ता की है। 1. कुरान के गहन अध्ययन में मैंने पाया कि कुरान इस्लाम के खिलाफ शक्तियों से धीरे धीरे मुझे ट्रेनिंग देते रहे तथा समाज से तथा शासन - प्रशासन की शक्तियों से रक्षा भी करते रहे जिसका खुलासा तथा ट्रेनिंग कुरान से ही मिली। इन्हीं अकीदो के साथ सऊदी अरब ने एक नकली मोहम्मद खड़ा करके आखरी पैगंबर की घोषणा की तथा पैगंबर के आने के सिलसिले को आखिरी बोल कर इस्लाम की किंगडम पर राज करने का षड्यंत्र रचा जबकि कुरान में जिस व्यक्ति का जिक्र है उसका नाम मोहम्मद है तथा कुरान के मुताबिक मोहम्मद वो जो, मोह-मद को त्याग देगा वह मोहम्मद कहलायेगा तथा कुरान में ही एक अति अचंभित बात और सामने आई की शब्द काफिर अल्लाह इस्लाम के लिए ही कर रहे हैं तथा शब्द शिर्क (अल्लाह के साथ किसी और को पूजना) मोहम्मद के लिए ही बोल रहे मोहम्मद के खुलासे के डर से जवाब में अंतर्यामी टीम को एक भी पत्र नहीं दिया हालांकि एक ईमेल उनका आया था जोर्किंलूद-उार्हीू था इसके अलावा ब्रह्मांड की यात्रा करने के उपरांत ब्रह्मांड के समस्त डाटा 2017 में ही मैंने भारत सरकार से कॉपीराइट करा लिए थे तथा जिन खोजों के ऊपर नासा को 2019 तथा 2020 के एस्ट्रो फिजिक्स के नोबेल पुरस्कार मिले वह भारत सरकार में 2018 से ही कॉपीराइट है। अप्रैल 2019 में नासा ने जो ब्लैक होल की फोटो जारी की वह भारत सरकार से 2018 से ही कॉपीराइट है। जुलाई 2022 में जेम्सबिब टेलीस्कोप से 13.5 अरब साल पुरानी जो ब्रह्मांड की फोटो जारी की है वह 2018 से ही भारत सरकार ने कॉपीराइट है। उपरोक्त बातें सबूतों के साथ साबित कर दी जाएगी। इसी

लिखी हुई एक किताब है तथा अल्लाह जगह-जगह इस्लाम को गलत बता रहे है तथा इस्लाम की हर रीति रिवाज कुरान के 180 डिग्री एंगल पर उल्टा चल रही है फिर मैंने यह भी पाया कि कुरान में मेरे जीवन की हर बात जैसे घर, व्यापार, निवास, शादी, ब्याह, वाद विवाद (विरोधियों के नाम सहित) यहां तक कि मेरे जीवन की (पति-पतनी) की गुप्त बातें भी मुझे कुरान में लिखी मिली तथा कुरान का मैंने यह भी निचोड़ पाया कि कुरान हमेशा किसी एक व्यक्ति के दिल पर उतरती है तथा फिर वह व्यक्ति कुरान के मायने संसार को समझाता है, इसके अतिरिक्त धरती पर जितने भी लोग कुरान पढ़ेंगे वह उसके उतने ही मतलब निकालेंगे जोकि उटपटांग होंगे। 2. मैंने कुरान के अध्ययन में यह भी पाया कि कुरान धरती पर भगवान के एक हेड क्वार्टर का जिक्र, केंद्रीय मुकाम के नाम से कर रही है तथा केंद्रीय मुकाम पर ही अल्लाह अपना रसूल भेजते हैं इसके अलावा वह कहीं अपने दूत को नही भेजते तथा इस बार जब वैज्ञानिक, राजनीतिक, धार्मिक सबूतों के साथ रसूल का उत्तर प्रदेश में होना साबित हो जाएगा तो भारत स्वतः ही विश्व गुरु घोषित हो जाएगा तथा इस्लाम की भी घर वापसी निश्चित है। 3. जैसा कि उक्त घटना में मेरे द्वारा ईश्वर से प्रत्यक्ष (बॉडी टू बॉडी) मुलाकात हुई तथा मुझे एक विशेष कार्य सौंप कर धरती पर वापस भेजा गया, तदुपरांत ईश्वर अपनी अदम्य है। 4. जैसा कि कुरान में संसार की हर बात लिखी हुई है जो घटित हो गया वह और जो घटित होने वह भी, इसी श्रंखला में मैंने पाया की भगवान धरती पर जब अपना दूत भेज कर धर्म और शांति की स्थापना करवाते हैं / उसको लागू करने के लिए धरती पर अजीबो-गरीब घटनाएं, बीमारियां, आपदाएं लाते हैं। इसी अध्ययन के क्रम में मैंने पीएमओ को कोरोना आने से पहले एक पत्र में सूचित कर दिया था की धरती पर एक रहस्यमई बीमारी आ जाएगी जो बहुत जल्द विकराल रूप लेकर विश्व के हर देश को अपनी चपेट में ले लेगी। इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए फिर राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर चेताया की निकट में ही विश्व युद्ध की घोषणा हो जाएंगी तथा ऐतिहासिक पैमाने पर मौतें होंगी, कुरान के मुताबिक ही मैंने सऊदी अरब व मक्का बोर्ड ऑफ शरीयत को धमकी भरे पत्र लिखें जिसके रिएक्शन में सऊदी ने अपनी हदीसे बैन कर दी, जमाते बैन कर दी, काबा को सबके लिए खोल दिया, अपने स्कूलों में राम - कृष्ण की पढ़ाई कंपलसरी कर दी, विशालतम मंदिर का निर्माण सऊदी अरब ने शुरू कर दिया ताकि अरब संसार का पहले काबा का टूरिज्म जैसा ही लौट कर सनातन पर आने पर सनातन का टूरिज्म जारी रहे, तथा फिल्म, स्टेज शो आदि शुरू कर दिए जिसके लिए इस्लाम जगत ने हाल ही में सऊदी को तंज भी कसे तथा विरोध भी किया। किंतु अपने नकली के साथ साथ दिमाग घुमा देने वाले और भी सबूत हैं। 5. कुरान के अध्ययन में मैंने पाया कि भगवान धरती पर यह सारी उथल-पुथल कंफर्म 3 से 9 वर्ष तक में करते हैं तथा इनमें ऐतिहासिक बाढें, अगिन्कांड, अजीबो-गरीब घटनाएं तथा कुरान में यह भी लिखा है कि भगवान के संदेश की अनदेखी पर, देशों की आपस में टोलियां बनाकर भिड़ा देते हैं। जैसा कि भगवान के दूत की बात को अगर सुना नहीं जाता तथा धर्म का सुधार नहीं किया जाता। एक बात और बतानी है कि उपरोक्त सब कार्य केवल अमीर वर्ग के साथ ही घटित होता है जैसा कि युरोप का, यूएस का, रशिया का, आपस में टकराव, कोरोना का युरोप को, अमेरिका को, अधिक सताना तथा न्यूयॉर्क की ऐतिहासिक बाढ़, केंटकी का ऐतिहासिक तूफान, नैनीताल की बाढ़, इंडोनेशिया की बाढ़, तिरुपति की बाढ़ तथा मौसम में अजीबो-गरीब उतार-चढ़ाव, अमीर देशों के जंगलों में लगती तेज आग, यह सब कुरान के मुताबिक ही घटित हो रहा है। इब्राहिम पद्धति की गहन खोजो में मैंने यह भी पाया की अगर भगवान के दूत की बात को लगातार नजर अंदाज किया गया तो ईश्वर वर्तमान की 8 अरब आबादी को एक झटके में खत्म करके मात्र छः लाख लोगों के साथ एक नए युग की शुरुआत करेंगे।

मैहर चंडीगढ़ गुलाब लाज के पीछे नाले में मिली अज्ञात लाश

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। के चंडीगंज गुलाब लाज के पीछे में बहते नाले में देखा गया एक मानव हाथ, किसी की लाश होने का अंदेशा, स्थानीय लोगो ने दी पुलिस को सूचना, मैहर पुलिस मौके पर मौजूद एक लाश मिली है मौत का कारण अभी अज्ञात बताया जा रहा है जिसे मैहर हॉस्पिटल चीरघर में रखवाया गया।

किले में तब्दील हुआ लाल किला, 10 हजार से अधिक पुलिसकर्मी रहेंगे तैनात

नई दिल्ली। सात हजार लोग आमंत्रितसोमवार को आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में

लगभग 7,000 लोग शामिल होंगे। तिरंगा फहराए जाने तक लाल किले के आसपास के पांच किलोमीटर के क्षेत्र को नो काइट फ्लाइंग जोन के रूप में चिह्नित किया गया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के ड्रोन रोधी सिस्टम भी लगाए जा रहे हैं। लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जहां से सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र को संबोधित करेंगे। अधिकारियों ने शनिवार को कहा है कि लाल किले में प्रवेश वाले स्थान से लेकर अंदर तक कई स्तर पर सुरक्षा के बंदोबस्त किए गए हैं। इसमें चेहरे की पहचान के लिए विशेष फेस रिकगिन्शन कैमरे (एफआरएस) कैमरे लगाए गए हैं। सोमवार को स्मारक के आसपास 10,000 से अधिक पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा।

श्रीकांत के समर्थन में सोसायटी के बाहर प्रदर्शन

नई दिल्ली। कर सकता है त्यागी समाज, अलर्ट मोड पर पुलिसनोएडा से इस वक्त की बड़ी खबरे सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक, महिला से अभद्रता करने के आरोपी श्रीकांत त्यागी के समर्थन में त्यागी समाज के लोग ग्रैंड ओमेक्स सोसायटी के बाहर प्रदर्शन कर सकते हैं। जिसे देखते हुए पुलिस ने सोसायटी पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है। महिला से अभद्रता करने के आरोपी श्रीकांत त्यागी के समर्थन में त्यागी समाज के मैदान में उतर आया है। शनिवार को कई जिलों से त्यागी समाज के लोगों की नोएडा के सेक्टर-93बी ग्रैंड ओमेक्स सोसायटी पहुंचने की आशंका है। जिसे लेकर पुलिस भी चौकनन हो गई है। पुलिस ने सोसायटी पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है। बताया जा रहा है कि आज मेरठ, नोएडा, गाजियाबाद से त्यागी समाज के लोग ग्रैंड ओमेक्स सोसायटी पहुंच सकते हैं।

मैंहर भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा ने निकाली विशाल तिरंगा यात्रा

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीकांत चतुर्वेदी जी हुए सम्मिलित माननीय प्रधानमंत्री श्री जी के आह्वान पर हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आज मैहर भाजपायुवा मोर्चा अध्यक्ष प्रिंस शर्मा व कार्यकर्ताओं ने तिरंगा यात्रा निकालकर नागरिकों को 13 से 15 अगस्त के बीच घरों में तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया। मां शारदा की पवित्र नगरी मैहर में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा, मध्य प्रदेश द्वारा र्क्षर्ििर्ेंर्ेहिं अभियान के अंतर्गत नागरिकों में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करने हेतु बाइक तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा में सम्मिलित हुए भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीकांत चतुर्वेदी नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती गीता संतोष सोनी ,उपाध्यक्ष शीतल नितिन तर्मकार,वरिष्ठ भाजपा नेता संजय राय ,श्री धीरज पांडये,सूर्यप्रकाश चौरसिया, देवेन्द पांडये दिलीप त्रिपाठी प्रमोद सिंह ,विनोद चौरसिया ,केशव प्रसाद चौरसिया,जितेंद पांडये,पवन कोल, पुरुषोत्तम चौरसिया,विकाश तिवारी रवेन्द्र पटेल जवेद अहमद,मोती खान, नगरपालिका वार्ड पार्षदगण युवा मोर्चा मंडल पदाधिकारीगण युवा मोर्चा की समस्त टीम वरिष्ठ भाजपा नेतागण कार्यकर्ता गण देश प्रेमी बंधु समस्त व्यापारी बंधु समाजसेवी वर्ग विशाल तिरंगा यात्रा में सम्मिलित हुए।

आजादी का अमृत महोत्सवठ हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। आजादी का अमृत महोत्सवठ हर्षोल्लास के साथ देश भर में मनाया जा रहा है तथा इस अमृत महोत्सव के अंतर्गत ठहर घर तिरंगाठ हुये कहा गया कि कोरोना महामारी के दौरान जिन कठिन हालातों में पुलिस ने अपने कर्त्वयों का निर्वहन किया वह अत्यंत सराहनीय है, कोई भी त्यौहार रहे हो या अन्य महत्वपूर्ण अवसर हो कमिशन्रेट

अभियान के तहत 11 अगस्त से 17 अगस्त तक कमिशन्रेट गौतमबुद्धनगर में विभिनन्कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस कमिशन्र गौतमबुद्धनगर द्वारा कमिशन्रेट गौतमबुद्धनगर वासियों का आह्वाहन करते हुये आज दोपहर 12:00 बजे पीए सिस्टम के माध्यम से उद्बोधन किया जिसमें उनके द्वारा ठआजादी के अमृत महोत्सवठ कार्यक्रम के अंतर्गत चल रहे ठहर घर तिरंगाठ अभियान के तहत सभी नागरिकों को इस अमृत महोत्सव में बढ़चड़कर भाग लेने के लिये प्रेरित किया तथा सभी नागरिकों का प्रत्येक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में पुलिस का सहयोग करने के लिये आभार व्यक्त किया गया तथा उनके द्वारा उद्बोदन करते गौतमबुद्धनगर पुलिस ने हर चुनौती का बहुत ही बहादुरी से सामना किया गया है और यह आपके(नागरिकों) बिना सहयोग के सम्भव नही था। आशा करता हूं कि भविष्य में भी आप सभी का इसी प्रकार भरपूर सहयोग मिलता रहेगा और कमिशन्रेट गौतमबुद्धनगर पुलिस आपके सहयोग से जनता की सुरक्षा में अपना योगदान देने के लिए सुरक्षा के प्रति लगातार प्रयतन्शील रहेगी।उक्त उद्बोधन को सभी थानाक्षेत्र में संचालित पीआरवी, थाना जीप, माइक मोबाइल आदि वाहनों व डीसीपी/एडीसीपी/एसीपी व थाना कार्यालयों, पुलिस चौकियों व मुख्य स्थानों पर पीए सिस्टम के माध्यम से नागरिकों ने सुना।

दिल्ली में मंकीपॉक्स का पांचवां केस मिला, एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती महिला मिली संक्रमित

नई दिल्ली। राजधानी में मंकीपॉक्स का पांचवां मरीज मिला है। लोक नायक अस्पताल में भर्ती महिला की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। डॉक्टरों की टीम उनका इलाज करने में लगी है। दिल्ली में मंकीपॉक्स का पांचवां मामला सामने आया है। लोकनायक अस्पताल में भर्ती अफ्रीका मूल की महिला मरीज की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। महिला साउथ दिल्ली में रहती थी। मंकीपॉक्स का लक्षण मिलने के बाद उसे लोकनायक अस्पताल में भर्ती करवाया गया। शनिवार को रिपोर्ट में मंकीपॉक्स की पुष्टि हुई है। लोकनायक अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. सुरेश कुमार के मुताबिक, मंकीपॉक्स से संक्रमित पाई गई महिला मूल रूप से अफ्रीका निवासी है।

लक्षण मिलने के बाद महिला के सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे, जो पॉजिटिव आए हैं। उन्होंने कहा कि महिला की स्थिति बेहतर है। डॉ. सुरेश ने बताया कि लोकनायक अस्पताल में मंकीपॉक्स के कुल पांच मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से एक मरीज को स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। वहीं अस्पताल में मंकीपॉक्स के अभी चार मरीज भर्ती हैं इनमें दो महिला और दो पुरुष मरीज शामिल हैं। चारों मरीज की स्थिति बेहतर है। पहले पाए गए तीन मरीज तेजी से स्वस्थ भी हो रहे हैं।

कार में ई-रिक्शा टकराने पर भड़की महिला, गाली-गलौज कर जमकर पीटा

नई दिल्ली। वीडियो वायरलई-रिक्शा चालक को भद्दी भद्दी गालियां देते हुए थप्पड़ मारती महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा

है। घटना नोएडा के फेज-2 के सेक्टर 110 स्थित मार्केट की बताई जा रही है। वीडियो वायरल होने के बाद लोग महिला की आलोचना कर रहे हैं। नोएडा में कार में ई-रिक्शा की हल्की सी साइड लगने पर एक महिला ने जमकर हंगामा किया। गुस्साई महिला अपना आपा खो बैठी और ई-रिक्शा चालक के साथ गाली-गलौज करने लगी। इतना ही नहीं उसने एक के बाद एक 17 थप्पड़ ई-रिक्शा चालक को जड़ दिए। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला भद्दी-भद्दी गालियां दे रही है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद लोग महिला की आलोचना कर रहे हैं। एक यूजर ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि एक गरीब को इस तरह पीटना कहां का इंसाफ है। एक महिला बीच सड़क पर रिक्शे वाले को पीट रही है, भद्दी भद्दी गालियां दे रही है, हो सकता है रिक्शे वाले की गलती रही हो। लेकिन एक महिला का दिल तो ममता से भरा होता है, फिर वो ऐसा कैसे कर सकती है। नोएडा पुलिस संज्ञान लीजिए, ये गरीब भी इंसान है।जानकारी के मुताबिक, यह घटना नोएडा के फेज-2 के सेक्टर 110 स्थित मार्केट की है।

आधुनिक समाचार अनपरा (सोनभद्र) कार्यालय का भव्य उद्घाटन समारोह सम्पन्न

सोनभद्र। दिनांक 12 अगस्त 2022 को अनपरा में आधुनिक समाचार सोनभद्र के कार्यालय का भव्य उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि श्री प्रदीप सिंह चंदेल (सीओ -पिपरी) एवं विशिष्ट अतिथि श्री श्रीकांत राय(थाना प्रभारी निरीक्षक अनपरा) की अध्यक्षता में किया गया इस कारण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री प्रदीप सिंह चंदेल जी सीओ (पिपरी)एवं विशिष्ट अतिथि श्री श्रीकांत राय जी (थाना प्रभारी निरीक्षक अनपरा) विशेष रूप से उपस्थित रहे इस कार्यक्रम के सम्मानित अतिथियें में विशेष रूप से श्री जीएस तिवारी,श्री विक्रम सिंह सेंगर ,श्री चंद्रशेखर गुप्ता ,श्री प्रमोद गुप्ता, श्री राजेश शर्मा, श्री मुकेश ठाकुर,श्री गजेंद्र सिंह,श्री श्याम बाबू, डॉ मृत्युंजय ठाकुर ,श्री विजय ठाकुर,श्री मनोज सिंह राणा ,श्रीमती अंजनी कुशवाहा,श्री महेंद्र शर्मा,डॉ डी के विश्वकर्मा, श्री मुकेश कुशवाहा कृष्णकांत यादव आदि उपस्थित रहे इस कार्यक्रम के प्रमुख संचालक श्री अश्वनी कुमार ठाकुर एवं श्री कुशल गुप्ता (पत्रकार आधुनिक समाचार) सोनभद्र के तत्वाधान में किया गया।

वृक्ष हमें जीवनदायी जड़ी बुटिया व प्राणदायक आक्सीजन प्रदान करते है- के पी. यादव

(आधुनिक समाचार सेवा)
अश्विनी कुमार ठाकुर

अनपरा। आजादी के बर्ष पूरे होने पर हमारा पूरा देश अमृत महोत्सव मना रहा है वही दूसरी ओर हिण्डालको, रेणुसागर पावर डिवीज़न के अधिकारी पूरे मनोयोग से अमृत महोत्सव मानाने के साथ ही साथ एक कदम और आगे ।अमृत महोत्सव के उपलक्ष में पुराने ऐश डाइक पर 15 सौ फलदार व अन्य पौधे लगाकर आजादी के अमृत महोत्सव को और भी यादगार बना दिया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रेनूसागर पावर डिवीजन रेनूसागर के अध्यक्ष ऊर्जा, के पी. यादव ने पर्यावरण को संतुलित बनाये रखने के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण करने का आवाहन किया, तथा कहा कि हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम रेणुसागर परिसर में अधिक से अधिक पौधरोपण कर वायु प्रदूषण को शून्य करने का प्रयास करें, पर्यावरण को संरक्षित करने हेतु केवल पौधरोपण ही नहीं करेंगे अपितु उसको संरक्षित व विकसित भी करेंगे उन्होंने उपस्थित सभी को अमृत महोत्सव की बधाई देते हुए कहा की मानव जीवन में सुख समृद्ध एवं संतुलन बनाये रखने के लिए पौध रोपण का बिशेष महत्व है वृक्षा रोपण का शाब्दिक अर्थ है पौधरोपण करना इसका प्रयोजन प्रकृति के संतुलन को बनाये रखना है , उन्होंने कहा कि हमारे देश की सभ्यता संस्ति में प्राचीन काल से ही वृक्षों में देवत्व का आरोपण किया जाता रहा है और वृक्षों की पूजा की जाती है जबकि वृक्षों से हमें बहुत लाभ है वृक्ष पृथ्वी की शोभा के साथ हरियाली के उद्रम है वृक्ष हमें बर्षा कराने के साथ ही प्राणदायक आक्सीजन भी प्रदान करते है तथा इन्ही से हमें तमाम प्रकार की जीवनदायी जड़ी बुटिया प्राप्त होती है । कर्नल जयदीप मिश्रा,ने उपस्थित सभी अधिकारियों कर्मचारियों, का आभार ब्यक्त करते हुए कहा कि आवासीय परिसर में कलोनी वासियों द्वारा पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए आवंटित आवासों में फलदार वृक्षों को लगाने का आह्वान किया। इस अवसर पर दिशिता महिला मंड़ल अध्यक्षा इंदू यादव,व दिशिता महिला मंडल की सदस्याए ,अनिल सिंहानिया, मनु अरोरा, समीर आनंद, राजेश सैनी, अरविन्द सिंह, कैप्टन रोहित फरासी, सहित समस्त विभागाध्यक्ष ने भाग लिया तथा पौधारोपण किया। कार्यक्रम को सफल बनाने मे उद्यान विभाग के सतनाम सिंह, बलवन्त सिंह व टीम का सरहनीय सहयोग रहा।

पाकिस्तानी क्रिकेटर ने अपने ही देश के क्रिकेट बोर्ड को लताड़ा

नई दिल्ली। कहा- उन्हें भारत से सीखना चाहिएकनेरिया ने कहा है कि पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को भारत से कुछ सीख लेनी चाहिए। कनेरिया का मानना है कि पीसीबी सिर्फ मौजूदा समय पर ध्यान दे रहा है, जबकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) भविष्य का सोच रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच मैच इस महीने एशिया कप टी-20 के दौरान मैच खेला जाना है। 28 अगस्त को यूएई में दुबई के उसी मैदान पर यह मैच खेला जाएगा, जहां पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान ने भारत को हराया था। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने यह कहा था कि बाबर आजम की कप्तानी में पाकिस्तान की टीम मजबूत नजर आ रही है। हालांकि, पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया मौजूदा टीम से खुश नहीं है। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की आलोचना भी की है। कनेरिया ने कहा है कि पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को भारत से कुछ सीख लेनी चाहिए। कनेरिया का मानना है कि पीसीबी सिर्फ मौजूदा समय पर ध्यान दे रहा है, जबकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) भविष्य का सोच रहा है और ज्यादा से ज्यादा युवा खिलाड़ियों को मौका दे रहा है। कनेरिया ने यह बातें अपने यूट्यूब चैनल पर कहीं। साथ ही उन्होंने भारत-पाकिस्तान एशिया कप मैच को लेकर भी काफी बातें कीं। कनेरिया ने कहा- पाकिस्तान ने पिछले साल वर्ल्ड कप के बाद से काफी कम टी-20 मुकाबले खेले हैं। पाकिस्तान ने इस दौरान सात मुकाबले खेले हैं और छह में जीत हासिल की है। इस दौरान पाकिस्तान का मुकाबला सिर्फ ऑस्ट्रेलिया जैसी एक बड़ी टीम के साथ हुआ और वह मैच हमारी टीम हार गई। वहीं भारतीय टीम ने हमसे ज्यादा मैच खेले हैं। भारत ने पिछले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद से 24 टी-20 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान टीम ने 19 मैच जीते। कनेरिया ने कहा- भारत का विनिंग रेशिया हमसे कहीं ज्यादा है, क्योंकि भारत ने ज्यादातर मैच अपनी बी और सी टीम के साथ खेले हैं। रोहित शर्मा पहले ही कह चुके हैं वह अपने बेंच स्ट्रेंथ को मजबूत कर रहे हैं। पाकिस्तान और भारत के बीच एशिया कप में मुकाबला 28 अगस्त को दुबई में खेला जाएगा। पिछली बार दोनों टीमें यूएई में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में आमने-सामने आई थीं। तब पाकिस्तान ने भारत को 10 विकेट से हराया था। उस वक्त टीम के कप्तान रोहित नहीं बल्कि विराट कोहली कप्तान थे। इस बार रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम बाबर आजम की पाकिस्तान टीम का सामना करेगी।

महले जयवर्धने बोले- यह पाकिस्तानी बल्लेबाज रूट को हटाकर टेस्ट में बन सकता है नंबर-1

नई दिल्ली। रूट ने 2021 से लेकर अब तक किसी दूसरे बल्लेबाज की तुलना में काफी ज्यादा रन बनाए हैं। इसके लिए उन्हें आईसीसी मेन्स टेस्ट प्लेयर ऑफ द इयर अवॉर्ड 2021 से भी नवाजा गया था। श्रीलंका के पूर्व महान बल्लेबाज महेला जयवर्धने ने पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम की खूब तारीफ की है। जयवर्धने ने कहा कि बाबर ही मौजूदा समय में उन्हें एक ऐसे बल्लेबाज लगते हैं जो इंग्लैंड के जो रूट को हटाकर टेस्ट में नंबर एक बैटर बन सकता है। रूट इस साल जून से ही टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के दूसरे संस्करण में इंग्लिश बल्लेबाज ने खूब रन बनाए हैं। रूट की ही बदौलत इंग्लैंड ने हाल ही में भारत को बर्मिंघम टेस्ट में हराया था। रूट ने 2021 से लेकर अब तक किसी दूसरे बल्लेबाज की तुलना में काफी ज्यादा रन बनाए हैं। इसके लिए उन्हें आईसीसी मेन्स टेस्ट प्लेयर ऑफ द इयर अवॉर्ड 2021 से भी नवाजा गया था। आईसीसी रिव्यू के हालिया एपिसोड में जयवर्धने से पूछा गया कि उन्हें कौन सा बल्लेबाज रूट को हटाकर नंबर वन बनता दिखता है? इस पर जयवर्धने ने कहा- यह बताना मुश्किल है। हालांकि, मुझे लगता है कि बाबर आजम के पास मौका है। वह तीनों फॉर्मेट में कंसिस्टेंट रहे हैं। इसका असर रैंकिंग में भी दिखता है। वह नैचुरली गिफ्टेड प्लेयर हैं। वह किसी भी कंडीशन में खेल सकते हैं। जयवर्धने ने कहा- इसका फैसला इस पर भी निर्भर होगा कि कौन कितना, कब और कैसे क्रिकेट खेल रहा है, लेकिन बाबर रूट को पीछे छोड़ सकते हैं।

किसी एक फॉर्मेट से संन्यास लेने के सवाल पर भड़के बाबर आजम

नई दिल्ली। पत्रकार से पूछा- क्या मैं बूढ़ा दिख रहा?अब पाकिस्तान को इस महीने एशिया कप टी-20 टूर्नामेंट में हिस्सा लेना है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 27 अगस्त से होने जा रही है। वहीं, पाकिस्तान की टीम 28 अगस्त को अपने पहले मैच में भारत से भिड़ेगी। पाकिस्तान के बाबर आजम को मौजूदा समय का सबसे बेहतरीन बल्लेबाज माना जाता है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान फिलहाल वनडे और टी-20 में नंबर एक बल्लेबाज हैं। वहीं, टेस्ट में उनकी रैंकिंग नंबर 3 है। वह मौजूदा समय में इकलौते ऐसे बल्लेबाज हैं जो तीनों फॉर्मेट में टॉप तीन बल्लेबाजों में बना हुआ है। हाल ही में श्रीलंका के महान क्रिकेटर महेला जयवर्धने ने कहा था कि बाबर में जो रूट को हटाकर नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज बनने की पूरी काबीलियत है। हाल ही में श्रीलंका दौरे पर गई पाकिस्तान टीम को श्रीलंका के खिलाफ बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में हार को लेकर पत्रकारों ने बाबर पर निशाना साधा। इस दौरान उनसे यह भी पूछा गया कि क्या वह एक फॉर्मेट को छोड़ने पर विचार कर रहे हैं और क्या इससे मोहम्मद रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी जैसे खिलाड़ियों को फायदा होगा? इस पर बाबर ने मजेदार जवाब दिया।बाबर ने कहा- यह आपकी फिटनेस पर निर्भर करता है। अभी जिस तरह की हमारी फिटनेस है, अभी ऐसा सोचा नहीं है कि हम दो फॉर्मेट में आ जाएं। आपको क्या लगता है मैं बूढ़ा हो गया हूं? या हम सब बूढ़े हो गए हैं? इस पर पत्रकार ने जवाब दिया- लोड ज्यादा पड़ रहा है ना। इस पर बाबर ने कहा- ऐसा मुझे नहीं लगता। अगर लोड ज्यादा है तो हम उस हिसाब से फिटनेस बढ़ाएंगे। अब पाकिस्तान को इस महीने एशिया कप टी-20 टूर्नामेंट में हिस्सा लेना है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 27 अगस्त से होने जा रही है। वहीं, पाकिस्तान की टीम 28 अगस्त को अपने पहले मैच में भारत से भिड़ेगी।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए टीम इंडिया में बड़ा बदलाव, कप्तान धवन को बनाया उपकप्तान, इसे सौंपी कमान

नई दिल्ली। केएल राहुल जून में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज से ठीक पहले वह चोटिल हो गए थे। इसके बाद उनका जर्मनी में हानिऱ्या का ऑपरेशन हुआ है। ऑपरेशन के बाद राहुल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने की तैयारी कर रहे थे। कुछ ही दिन पहले राहुल कोरोना संक्रमित हो गए थे। अब फिट होने के बाद राहुल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी को तैयार हैं। जिम्बाब्वे दौरे के लिए टीम इंडिया में बड़ा बदलाव किया गया है। केएल राहुल की टीम में वापसी हुई है और उन्हें कप्तानी सौंपी गई है। उन्हें पहले इस दौरे के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया था। 30 जुलाई को जब तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए टीम की घोषणा की गई थी, तो राहुल उस टीम में नहीं थे। तब शिखर धवन को कप्तानी सौंपी गई थी। राहुल की वापसी के बाद अब धवन को उप-कप्तान बना दिया गया है। भारत-जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत 18 अगस्त से होगी। वहीं, 22 अगस्त को आखिरी वनडे खेला जाएगा। बीसीसीआई ने दी जानकारी बीसीसीआई ने गुरुवार को ट्वीट कर बताया कि मेडिकल टीम ने राहुल को फिट पाया और उन्हें आगामी जिम्बाब्वे दौरे के लिए खेलने के लिए क्लीयरेंस दे दी है। इसके बाद चयन समिति ने उन्हें जिम्बाब्वे दौरे के लिए कप्तान नियुक्त किया है। इसके अलावा टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। स्क्वॉड में पहले से शामिल सभी खिलाड़ी टीम से जुड़े रहेंगे।जिम्बाब्वे के खिलाफ 3 वनडे के लिए टीम इंडियाः केएल राहुल (कप्तान), शिखर धवन (उप-कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, आवेश खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर। केएल राहुल जून में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए कप्तान बनाए गए थे। हालांकि, सीरीज से ठीक पहले वह चोटिल हो गए थे। वह ग्रोइन इंजरी से जूझ रहे थे। इसके बाद राहुल का हाल में ही में जर्मनी में हानिऱ्या का ऑपरेशन हुआ है। इसके बाद राहुल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने की तैयारी कर रहे थे ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि राहुल हाल ही में वेस्टइंडीज दौरे से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। उनका टीम में चयन भी हुआ। हालांकि, दौरे के लिए रवाना होने से ठीक पहले राहुल कोरोना संक्रमित हो गए। ऐसे में वह टीम से नहीं जुड़ सके। अब राहुल जिम्बाब्वे दौरे से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने को तैयार हैं। राहुल को आगामी एशिया कप टी-20 टूर्नामेंट के लिए टीम का उपकप्तान भी नियुक्त किया गया है। रोहित शर्मा एशिया कप में टीम इंडिया की कमान संभालेंगे।जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज से तेज गेंदबाज दीपक चाहर और ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर की भी टीम इंडिया में वापसी हो रही है। सुंदर पिछले कुछ समय से चोट से जूझ रहे थे। हालांकि, सुंदर ने हाल ही में इंग्लैंड के काउंटी क्रिकेट में शानदार गेंदबाजी की थी। वहीं, बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी टीम में नया चेहरा होंगे इसका अलावा ज्यादातर खिलाड़ी वही है, जिन्होंने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज खेली है। सीनियर खिलाड़ियों को इस सीरीज के लिए आराम दिया गया है। नियमित कप्तान रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या, ऋषभ पंत, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव और युजवेंद्र चहल समेत तमाम सीनियर खिलाड़ी यह सीरीज नहीं खेलेंगे। दीपक इस साल फरवरी से ही चोट की वजह से टीम से बाहर हैं। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ ग्रोइन इंजरी हुई थी। अब वह जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज से टीम इंडिया में नियमित तौर पर स्थान बनाने के लिए जोर बनाएंगे।

22 साल के अर्जुन तेंदुलकर मुंबई छोड़कर अब गोवा के लिए खेलेंगे

नई दिल्ली। जानें वजहपहले भी कई दिग्गजों के बेटे अन्य राज्य संघों से खेले हैं। महान सलामी बल्लेबाज सुनील गावस्कर के बेटे रोहन ने 18 साल की उम्र में बंगाल की ओर से खेलने लगे और टीम की कप्तानी भी की और सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रहे। अन्य पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन के बेटे मोहम्मद असादुद्दीन 2018 सत्र में कुछ समय के लिए रणजी ट्रॉफी में गोवा के लिए खेले थे। भारत के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के पुत्र अर्जुन मुंबई की टीम को छोड़ने के लिए तैयार है। पूरी संभावना है कि वह अगले सीजन में गोवा की तरफ से खेल सकते हैं। 22 साल के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे, उन्होंने 2020-21 में मुंबई के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हरियाणा और पुदुचेरी के खिलाफ दो मैच खेले थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जूनियर तेंदुलकर ने मुंबई क्रिकेट संघ से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) देने के लिए आवेदन किया है। एसआरटी स्पोर्ट्स मैनेजमेंट ने बयान में कहा- अर्जुन के लिए अपने करियर के इस मुकाम पर मैदान पर अधिक से अधिक समय बिताना महत्वपूर्ण है। हमारा मानना है कि दूसरी जगह से खेलने पर अर्जुन को अधिक प्रतिस्पर्धी मैच खेलने का मौका मिलेगा। वह अपने क्रिकेट करियर के एक नए चरण की शुरुआत करने जा रहे हैं। अर्जुन तेंदुलकर ने तीन सीजन पहले श्रीलंका के खिलाफ भारत अंडर-19 की तरफ से दो मैच खेले थे। उस समय वह मुंबई की सीमित ओवरों की संभावित टीम में भी शामिल थे। अर्जुन के लिए सबसे बड़ी निराशा यह रही उन्हें खुद को साबित करने का मौका मिले बिना इस सीजन में मुंबई की टीम से बाहर कर दिया गया। गोवा क्रिकेट संघ (जीसीए) के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि राज्य के संभावित खिलाडियों में अर्जुन तेंदुलकर को शामिल किया जा सकता है।

विराट कोहली से लेकर मंधाना और दीपक चाहर तक

नई दिल्ली। धवन ने इंस्टाग्राम पर अपनी दो बहनों के साथ तीन तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा- बहनें एक उपहार, एक दोस्त और जीवन का अहम हिस्सा होती हैं। मेरी दो प्यारी बहनों को रक्षाबंधन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं आज पूरा देश रक्षाबंधन का त्योहार मना रहा है। भाई-बहन के प्यार को दर्शाने वाले इस त्योहार को लेकर क्रिकेटर्स ने भी फैन्स को शुभकामनाएं दी हैं। विराट कोहली, दीपक चाहर, स्मृति मंधाना, सचिन तेंदुलकर और शिखर धवन ने लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही राखी बंधवाने की तस्वीर भी शेयर की है। धवन ने इंस्टाग्राम पर अपनी दो बहनों के साथ तीन तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा- बहनें एक उपहार, एक दोस्त और जीवन का अहम हिस्सा होती हैं। मेरी दो प्यारी बहनों को रक्षाबंधन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। विराट कोहली ने भी अपनी बड़ी बहन भावना कोहली के साथ तस्वीर शेयर की है। साल 2006 में जब विराट के पिता का ब्रेन स्ट्रोक के चलते निधन हो गया था, तब उनकी बहन ने ही उन्हें संभाला था। इसका जिक्र कोहली कई बार कर चुके हैं।

राशीफल

मेष-:परिवर्तन और आत्मनिरीक्षण इस अवधि के दौरान सफलता की कुंजी है। आज आपको गुणवत्ता और प्रदर्शन पर जोर देना होगा।

वृष-:आपको करियर के मामले में कोई बड़ी सफलता मिलेगी. कार्यक्षेत्र में धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आज आप कुछ ऐसे लोगों से जुड़ेंगे जो आपकी हर तरह से मदद के लिए तैयार रहेंगे।

मिथुन-: धार्मिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी. कुछ लोगों के लिए आकस्मिक यात्रा व्यस्त और तनावपूर्ण होगी। कार्यस्थल पर कार्यभार में तेजी से वृद्धि देखने को मिल सकती है।

कर्क-: आप अपने भविष्य और स्वास्थ्य को लेकर अधिक उत्सुक रहेंगे और सही लोगों से सलाह लेंगे. प्रचुर मात्रा में आर्थिक लाभ होने के संकेत हैं।

सिंह-: कार्यस्थल पर स्थिति अनुकूल रहेगी, लेकिन कुछ भी बोलते समय आपको सावधान रहना चाहिए. आप कुछ कहना चाहते हैं, लेकिन कुछ और कहेंगे। इससे आपके आसपास के लोगों को कुछ गलतफहमी भी हो सकती है।

कन्या-:आपका ज्ञान और हास्य आपके आसपास के लोगों को प्रभावित करेगा. आप अपनी मानसिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देख सकते हैं। यात्रा करने के लिए यह दिन आपके लिए बेहद खास रहने वाला है।

तुला-:लंबे समय से प्रतीक्षित कानूनी मामले का अचानक लिया गया फैसला आपको हैरान कर देगा। परिवार आपके लिए प्राथमिक है और आप उन्हें खुश करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

वृश्चिक-: आपके वैवाहिक संबंधों के बीच की दूरियां खत्म होंगी. वहीं रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी, लेकिन किसी व्यावसायिक मामले को लेकर आप परेशान हो सकते हैं।

धनु-:आपको परिवार वालों का पूरा सहयोग मिलेगा. आपके लिए कुछ फैसलों में सटीकता हो सकती है। आत्मविश्वास से जोखिम भरे कार्यों में सफलता मिल सकती है।

मकर-: के दिन आप तर्क-वितर्क और जिद्दी हो सकते हैं. आप खुद को कठिन परिस्थितियों में पा सकते हैं। जहां तक ??हो सके वाद-विवाद से दूर रहें। परिवार के सदस्य तीर्थ यात्रा पर जा सकते हैं।

कुंभ-: आपको कार्यक्षेत्र में वृद्धि के कुछ नए अवसर प्राप्त होंगे. आपको उधार दिया हुआ पैसा अचानक वापस मिलेगा। जीवनसाथी के साथ डिनर कर सकते हैं। रिश्तों में सकारात्मकता आएगी।

मीन-: आपका दिन सुकून भरा रहेगा मनोरंजन और पढ़ाई के क्षेत्र में समय व्यतीत होगा. आपके काम को लेकर कोई नई योजना बन सकती है।

रेणुसागर में विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

(आधुनिक समाचार सेवा)
अश्विनी कुमार ठाकुर

अनपरा। आज़ादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत आज शनिवार को रेणुसागर पावर डिवीजन में प्रबन्धन द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस तिरंगा यात्रा में तीनों विद्यालयों के छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों के अलावा रेणुपावर संस्थान के सैकड़ों कर्मचारियों तथा अधिकारियों ने भाग लिया। सभी लोगों ने हाथ में तिरंगा लेकर विभिनन्नारों के उद्घोष के साथ पूरे कॉलोनी का भ्रमण किया। कॉलोनी वासियों ने भी अपने-अपने घरों से निकल कर नारे लगाते हुए आज़ादी के अमृत महोत्सव में अपना योगदान दिया लोगो का जोश उमंग और उत्साह देखने लायक था, देश भक्ति के नारो एवं गीतों से पूरा परिसर गुंजायमान हो उठा तथा पूरा प्रांगण तिरंगे से सरोबार हो गया । इस अवसर पर रेणुसागर पावर डिवीजन के अध्यक्ष ऊर्जा के पी यादव ने हर घर तिरंगा फहराने की अपील करते हुए सभी नगर वासियों को शुभकामना व्यक्त की। उन्होंने आजादी की लड़ाई में भाग लेने वाले अमर शहीदों को याद करते हुए युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। रेणुसागर के एच आर हेड शैलेश विक्रम सिंह ने आज़ादी के महत्व को रेखांकित करते हुए सभी नगर वासियों को हार्दिक बधाई दी। इस अवसर पर ई आर हेड परेश ढोले, कर्नल जयदीप मिश्रा, तीनों विद्यालयों के प्रधानाचार्य बिद्या चैटर्जी, आर सी पाण्डेय, ए के पाण्डेय के अलावा कैप्टन रोहित फरासी, सदानन्द पाण्डेय, ए के गुप्ता, पी के पाण्डेय,समीर श्रीवास्तव, रचना श्रीवास्तव, विजय शंकर सिंह, ए के पाठक, गायत्री भारद्वाज, कमलेश्वरी पाण्डेय इत्यादि का योगदान प्रशंसनीय रहा।

ढाई हजार बच्चों की हार्ट सर्जरी का बनाया कीर्तिमान

नई दिल्ली। पलक ने सुनाई सिनेमा में पहले ब्रेक की कहानीगुरुवार को रिलीज हुई फिल्म 'रक्षा बंधन' के अपने गाने को लेकर खूब बधाइयां बटोर रहीं गायिका पलक मुछाल के लिए इस साल आजादी का महापर्व खास मायने लेकर आया है। 15 अगस्त को उनको बतौर पार्श्व गायक 10 साल पूरे हो रहे हैं। कम लोगों को ही पता होगा कि गायकी से साथ साथ पलक मुछाल सामाजिक कार्यों से भी जुड़ी हुई हैं और अब तक वह 2503 लोगों के दिल के ऑपरेशन करवा चुकी हैं। ढाई साल की उम्र में गाना शुरू करने वाली पलक मुछाल बताती हैं, 'मैंने चार साल की उम्र से शास्त्रीय संगीत सीखना शुरू कर दिया था। तभी मैंने सोच लिया था कि बड़े होकर प्लेबैक सिंगर बनना है।' फिल्मों में गायन की अपनी असली शुरुआत वह सलमान खान की फिल्म 'एक था टाइगर' को मानती हैं। ये फिल्म 15 अगस्त 2012 को रिलीज हुई थी। साल 2006 में पलक मुछाल अपने परिवार के साथ मुंबई शिफ्ट हो गईं। वह कहती हैं, 'उस समय मुंबई में कुछ ही लोगों को जानती थी, जिसमें से एक रूमी जाफरी हैं। वह भोपाल से हैं, तो उनसे पहले से ही जान पहचान थी। मुंबई आने के बाद मैंने उनको मैसेज किया। उन्होंने पांचवे दिन फोन किया और आर के स्टूडियो बुलाया। जब मैं वहां पहुंची तो रूमी जाफरी ने मेरी मुलाकात सलमान खान से कराई। उस समय सलमान खान फिल्म 'गॉड तुसी ग्रेट हो' की शूटिंग कर रहे थे। सलमान खान ने मुझसे अपनी फिल्म का गाना देने का वादा किया और उन्होंने जो कहा उसे पूरा भी किया।बतौर प्लेबैक सिंगर पलक मुछाल की पहली फिल्म 'वीर' थी जो 22 जनवरी 2010 को रिलीज हुई थी। लेकिन वह 'एक था टाइगर' को अपनी शुरुआत मानती हैं। पलक मुछाल कहती हैं, 'सलमान खान मुझे समय समय पर गाइड करते रहते थे कि कैसे आगे बढ़ना है। मैंने उनकी एनजीओ में मदद के लिए आए 100 बच्चों की सर्जरी करवाई। एक दिन उनका 'एक था टाइगर' के गाने के लिए फोन आया। यह मेरी जिंदगी के लिए बहुत बड़ा ब्रेक था। यशराज और सलमान खान की फिल्म और कैटरीना कैफ के लिए अपनी आवाज देना, इससे बड़ा डेब्यू मेरे लिए नहीं हो सकता था।' एक था टाइगर' का गीत 'लापता' सलमान खान और कैटरीना कैफ पर फिल्माया गया जिसे पलक मुछाल ने केके के साथ गाया था। पलक मुछाल कहती हैं, 'केके का जाना हम सब के लिए बहुत ही दुख की बात है, उनकी कमी को पूरा तो नहीं किया जा सकता है, लेकिन अपने संगीत के जरिए वह हमेशा हमारी यादों में रहेंगे।' पलक मुछाल ने इस फिल्म की सफलता के बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अब तक वह 'आशिकी 2', 'किक', 'एक्शन जैक्सन', 'प्रेम रतन धन पायो', 'एमएस धोनी', 'काबिल', 'बागी 2' जैसी कई फिल्मों के लिए गए चुकी है। वहीं, दूसरों को मदद करने का जो काम उन्होंने 22 वर्ष पहले शुरू किया था, वह सिलसिला आज तक जारी है। दूसरों मदद करने की प्रेरणा पलक मुछाल (ईंत्व् शुर्म्प्त) गरीब बच्चों को ट्रेन के डिब्बों में सफाई करते देखकर मिली। ये बच्चे फर्श साफ करने के लिए अपने कपड़ों का इस्तेमाल कर रहे थे। पलक बताती हैं. 'इन गरीब बच्चो के पास ठण्ड में

पहनने के लिए गर्म कपड़े तक नहीं होते है। कारगिल युद्ध के दौरान मैंने दुकानों पर जाकर गाने गाए और चंदा इकट्ठा किया। दुकानों के सामने मैं 'ऐ मेरे वतन के लोगो' सुनाती थी। मेरे पास किसी तरह 25 हजार रूपये इकट्ठे हो गए। पांच साल की थी मैं तब और मेरे लिए उस समय यह बहुत बड़ी रकम थी। फिर मैंने अपने छोटे भाई के साथ एक ठेले का मंच बनाकर गाना शुरू किया और 55 हजार रुपये इकट्ठे हुए। ये रकम मैंने एक बच्चे के दिल की सर्जरी में इस्तेमाल की।' इस पहली सर्जरी के बाद पलक अब तक 2503 बच्चों की हार्ट सर्जरी करवा चुकी हैं। सामाजिक कार्यों में महान उपलब्धियों के लिए पलक मुछाल का नाम गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड और लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज हो चुका है। उन्हें भारत सरकार और अन्य सार्वजनिक संस्थानों द्वारा विभिनन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। पलक मुछाल कहती हैं, '22 वर्षो से मैं यह काम कर रही हूं। ऐसा करने से लोगों की बहुत सारी दुआएं मिलती है। जब मैं उन बच्चो के परिवार से सर्जरी के बाद मिलती हूं तो उनकी आँखों में खुशी देखकर जो संतोष मुझे मिलता है, उससे बड़ा पुरस्कार मेरे लिए कुछ भी नहीं हो सकता है।'

सुष्मिता ने लाइव वीडियो में एक बार भी नहीं लिया ललित मोदी का नाम

नई दिल्ली। बोलीं- दिल तब टूट जाता है जब..बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन पिछले कुछ दिनों से काफी सुखिर्यों में हैं। हाल ही में ललित मोदी संग अफेयर की खबरों की वजह से एक्ट्रेस चर्चा के केंद्र में आ गई थीं। ललित मोदी संग उनकी कई तस्वीरें वायरल हुई थीं जिसमें पर ट्रोल्स को करारा जवाब दे रही थीं। इस बीच रक्षाबंधन के खास मौके पर उन्होंने लाइव आकर पहली बार ट्रोल्स को खूब खरी-खरी सुनाई। लाइव सेशन के दौरान एक्ट्रेस ने कहा कि वह बहुत पॉजिटिव इंसान हैं। लोग उनके बारे में क्या कहते हैं इससे उन्हें कोई

दोनों छुट्टियां मनाते नजर आ रहे थे। इन फोटोज के सामने आने के बाद लोग एक्ट्रेस को जमकर ट्रोल कर रहे थे। सुष्मिता भी पूरी मजबूती के साथ सोशल मीडिया पर ट्रोल्स को करारा जवाब दे रही थीं। इस बीच रक्षाबंधन के खास मौके पर उन्होंने लाइव आकर पहली बार ट्रोल्स को खूब खरी-खरी सुनाई। बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन पिछले कुछ दिनों से काफी सुखिर्यों में हैं। हाल ही में ललित मोदी संग अफेयर की खबरों की वजह से एक्ट्रेस चर्चा के केंद्र में आ गई थीं। ललित मोदी संग उनकी कई तस्वीरें वायरल हुई थीं जिसमें दोनों छुट्टियां मनाते नजर आ रहे थे। इन फोटोज के सामने आने के बाद लोग एक्ट्रेस को जमकर ट्रोल कर रहे थे। सुष्मिता भी पूरी मजबूती के साथ सोशल मीडिया फर्क नहीं पड़ता। लेकिन चुप रहने का यह मतलब नहीं होता कि इंसान कमजोर है। उन्होंने कहा कि खामोश रहने पर इंसान को लोग कमजोर समझ लेते हैं इसलिए ऐसे लोगों के लिए कई बार चुप्पी तोड़ना जरूरी होता है।वर्क फ्रंट की बात करें तो सुष्मिता अब तक कई सुपरहिट बॉलीवुड फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। वह कई बड़े सुपरस्टार्स के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर कर चुकी हैं। सलमान खान के साथ उनकी जोड़ी सबसे ज्यादा जमीं। बीवी नंबर वन, तुमको न भूल पाएंगे और मैनें प्यार किया में दोनों साथ काम कर चुके हैं। इसके अलावा सुष्मिता ओटीटी पर भी अपना डेब्यू कर चुकी है। आर्या वेब सीरीज में लोगों को उनकी एक्टिंग खूब पसंद आई थी।

'ब्रह्मास्त्र' से शाहरुख खान का फर्स्ट लुक हुआ लीक, आग के बीच में धांसू अवतार में नजर आए अभिनेता

नई दिल्ली। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट अपनी फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' को लेकर काफी समय से सुखिर्यों में बने हुए हैं। अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में दोनों पहली बार बड़े पर्दे पर साथ दिखाई देंगे, तो शाहरुख खान भी फिल्म में कैमियो रोल में नजर आएंगे। फैंस लंबे समय से जानना चाहते थे कि फिल्म में शाहरुख खान का लुक कैसे होगा और वह किस किरदार में नजर आएंगे। अब सोशल मीडिया पर किंग खान का लुक लीक हो गया है, जो तेजी से वायरल भी होता जा रहा है। फिल्म से शाहरुख खान का लुक रिवील होने के बाद से ही फैंस भी काफी एक्साइटेड हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो के मुताबिक 'ब्रह्मास्त्र' में शाहरुख खान वानर अस्त्र की भूमिका निभाने वाले हैं। वीडियो में शाहरुख खून से लथपथ नजर आ रहे हैं। अभिनेता का आग के बीच में धांसू अवतार फैंस को बेहद पसंद आ रहा है और वह उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। 'ब्रह्मास्त्र' का ट्रेलर रिलीज होने के बाद ही फैंस ने शाहरुख खान की झलक उसमें देख ली थी और वह उनके किरदार के बारे में जानने के लिए उत्सुक थे। वहीं, अब अभिनेता का लुक लीक हो जाने के बाद फैंस उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं। इसके अलावा शाहरुख खान हाल ही में आर माधवन की फिल्म 'रॉकेट्री द नांबी इफेक्ट' में भी कैमियो करते नजर आए थे। फिल्म के हिंदी वर्जन में उन्होंने एक पत्रकार की भूमिका निभाई थी। किंग खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह अगले साल 'पठान', 'डंकी' और 'जवान' में दिखाई देंगे। 'ब्रह्मास्त्र' की बात करें तो इस फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, शाहरुख खान के अलावा अमिताभ बच्चन, नागार्जुन

और मौनी रॉय भी नजर आएंगे। यह फिल्म 9 सितंबर को पांच भाषाओं हिंदी, तमिल, तेलुगू, मलयालम और कनन्ड़ में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म का हाल ही में 'देवा-देवा' गाना रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया है।

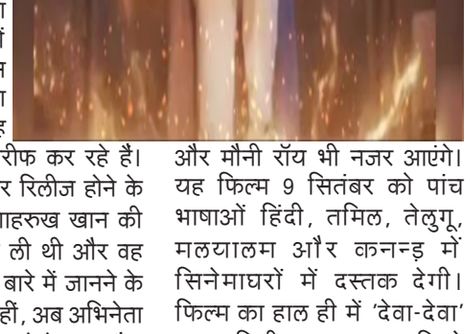

सिनेमाई सफर का सच्चा दस्तावेज बनी 'लाल सिंह चड्ढा', आमिर और करीना के करिश्माई अंदाज

नई दिल्ली। फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' हिंदी सिनेमा के सफर का एक प्रशंसनीय दस्तावेज है जिसे देख हर उस इंसान को रोना आ जाएगा, जिसने जीवन में एक बार भी मोहब्बत की है।फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' उस हॉलीवुड फिल्म 'फॉरेस्ट गम्प' का हिंदी अनुकूलन है, जिसने इसके अभिनेता टॉम हैंक्स को विश्वसिनेमा में एक अलग पहचान दी। फिल्म को हिंदी में बनाने का पहले पहल विचार अभिनेता अतुल कुलकर्णी को ये फिल्म देखकर आया। उन्होंने दो हफ्ते के भीतर इसकी हिंदी पटकथा भी तैयार कर ली। लेकिन, अपने मित्र आमिर खान को ये पटकथा सुनाने में उनको दो साल लग गए और उसके बाद आमिर को ये फिल्म बनाने में 14 साल और। अब ये फिल्म सोशल मीडिया के बहिष्कार वादियों के निशाने पर है। पंजाब से आया एक बच्चा दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास के सामने अपने परिवार के साथ फोटो खिंचा रहा है और पीछे से गोलियों के चलने की आवाजें आने लगती हैं। वापस अपने गांव जाने के लिए मां के साथ निकले इस बच्चे के सामने ही उसके ऑटोवाले को पेट्रोल छिड़ककर जिंदा जला दिया जाता है। मां अपने बच्चे को लेकर दुकानों की ओट में छिपी है और वहीं गिरे कांच के टुकड़े उठाकर अपने बेटे की 'जूड़ी' खोलकर उसके बाल काट देती है। ये 1984 का हिंदुस्तान है। देश में बीते 50 साल की घटनाओं को एक प्रेम कहानी के जरिये कैद करती आमिर खान की नई फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' सोशल मीडिया के उन 'शूरवीरों' के निशाने पर आई फिल्म है जिन्हें किसी भी खान सितारे की फिल्म से चिढ़ है। एक फिल्म बनती है और चलती है तो मुंबई के हजारों परिवारों के घर चूल्हा जलने की गारंटी बनती है। चंद लोगों से चिढ़े लोग अगर पूरी फिल्म इंडस्ट्री का इन बॉयकॉट से ऐसे ही तमाशा बनाना चाहें तो अलग बात है, नहीं तो फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' हिंदी सिनेमा के सफर का एक प्रशंसनीय दस्तावेज है जिसे देख हर उस इंसान को रोना आ जाएगा, जिसने जीवन में एक बार भी मोहब्बत की है। फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' छह ऑस्कर जीतने वाली फिल्म 'फॉरेस्ट गंप' का आधिकारिक रीमेक है। लेकिन, जिन्होंने ओरिजनल फिल्म देखी है, उन्हें ये फिल्म अपनी मूल फिल्म से बेहतर नजर आएगी। यहां फिल्म का भारतीय संस्कृति और देश के इतिहास के हिसाब से अनुकूलन करने वाले अतुल कुलकर्णी ने गजब की संवेदनशीलता का परिचय दिया है। सबसे पहले तो उत्सुकता इसी बात को लेकर होती है कि अपने 'खास' बच्चे लाल का सामान्य स्कूल में एडमीशन कराने पहुंची उसकी मां क्या कुर्बानी देगी? शुरू के संवाद देख डर लगता है कि कहीं यहां भी तो ओरिजनल की तरह मां अपने बच्चे के लिए 'सौदा' तो नहीं कर बैठेगी, लेकिन अतुल कुलकर्णी ने पूरे दृश्य को जिस तरह भारतीय संवेदनाओं के साथ बदला है, वहीं से फिल्म के आगे की राह खुलती दिखने लगती है। लाल सिंह चड्ढा जिसे थोड़ा बुद्धू

किस्म का बच्चा कहते हैं, वैसा है। दिमाग से कम और दिल से ज्यादा समझता है। ऐसे लोग अब भी 'बुद्धू' ही कहलाते हैं। आमिर खान की चार साल पहले रिलीज हुई फिल्म 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तां' का जब बॉक्स ऑफिस पर हश्र बुरा हुआ तो इल्जाम आमिर खान पर ये आया कि पूरी फिल्म तो उन्होंने अपने हिसाब से ही बनाई। आमिर अपनी फिल्मों के अघोषित निर्देशक होते हैं, ये बात सब जानते हैं। और, यहां फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' देखते समय भी ये बात बार बार याद आती रहती है कि आमिर इस फिल्म में सिर्फ अभिनेता ही नहीं बल्कि इसके निर्माता और अघोषित निर्देशक भी हैं। नाम फिल्म में अद्वैत चंदन का बतौर निर्देशक है, लेकिन फिल्म के हर फ्रेम पर छाप आमिर खान की है। कहानी बीते सदी के आठवें दशक से शुरू होकर अब तक आती है। बीच में भारत की क्रिकेट विश्वकप में मिली पहली जीत है, ऑपरेशन ब्लू स्टार है, इंदिरा गांधी की हत्या है, उनके अंतिम संस्कार में सुबकते राजीव गांधी हैं, बाबरी विध्वंस है, लाल कृष्ण आडवाणी की रथयात्रा है, मुंबई बम धमाके हैं, अबू सलेम और मोनिका बेदी की कथित प्रेम कहानी है और है वाराणसी के घाटों पर लिखा नारा, 'अबकी बार मोदी सरकार'। मुंबई फिल्म इंडस्ट्री से करीब से वाकिफ लोग जानते हैं कि यहां अब सिर्फ प्रोजेक्ट बनते हैं। हीरो की फीस कितनी होगी, फिल्म की मेकिंग पर खर्च कितना आएगा, फिर फिल्म ओटीटी पर कितने की बिकेगी, म्यूजिक और सैटेलाइट राइट्स से कितना पैसा आ जाएगा, ये सब गुणा भाग करके फिल्म शुरू हो जाती है, बिक जाती है, सिनेमाघरों में फिल्म चलेगी कि नहीं, इसकी खास परवाह इन 'प्रोजेक्ट' बनाने वालों को होती नहीं है। लेकिन, फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' प्रोजेक्ट नहीं है। ये सिनेमा है। एक ऐसे इंसान का जुनून है जिसने खुद को परदे पर एक लाचार इंसान के तौर पर पेश करने का जोखिम लिया है। ये सच है कि आमिर सुखिर्यों के शौकीन इंसान भी रहे हैं और बिना सोचे विचारे दिए गए वक्तव्य ही अब उनके दुश्मन बने हुए हैं। लोगों ने उन्हें मार्केटिंग गुरु के तौर पर स्थापित करने की कोशिश भी मार्केटिंग के तौर पर ही की लेकिन जो आमिर को करीब से जानते हैं, वे सब ये भी जानते हैं कि आमिर अपने काम में खुद को किस तरह झोंक देते हैं। कोई 50 साल बाद जब कोई हिंदी सिनेमा पर कुछ लिखेगा तो आमिर खान की गिनती उसमें ऐसे फिल्मकार के तौर पर करेगा जिसने परदे पर किरदार जैसा दिखने का हिंदी सिनेमा में चलन शुरू किया। यहां भी वह आमिर खान किसी कोने से नहीं दिखते। शुरू के दृश्यों में भले उनके किरदार में 'पीके' की झलक मिलती है और शाहरुख खान को भी जवान दिखाने के लिए उनके चेहरे पर 'फैन' जैसे स्पेशल इफेक्ट्स डाले गए हों, लेकिन एक बार लाल को अपना कमाल समझ आता है तो फिल्म का ग्राफ ही बदल जाता है। बीते 50 साल की महत्वपूर्ण घटनाओं को पनन दर पनन समेटती फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' को देखना सिनेमा को समझने के लिए जरूरी है। आमिर की कमाल की अदाकारी इस फिल्म की आत्मा है। और, आमिर का फिल्म में आमिर खान न लगना ही इस फिल्म की जीत है। साथ ही, जरूरी ये जानना भी है कि हिंदी सिनेमा के दर्शक वाकई सिनेमा देखना चाहते हैं कि वे बस विस्मयकारी दृश्यों को देखकर अचंभित होते रहेंगे और 'केजीएफ 2' और 'आरआरआर' जैसी फिल्मों पर ही पैसे लुटाते रहेंगे। फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' को देखने के दौरान आसपास की सीटों पर बैठे लोग सुबकते महसूस होते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ये फिल्म एक प्रेम कहानी है।

अपनी बहनों पर बेशुमार प्यार लुटाते हैं ये बॉलीवुड सितारे

नई दिल्ली। भेंट करते है महंगे राखी गिफ्टभाई-बहन के रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार इस बार दो दिन मनाया गया है। इस दिन बहन भाई की कलाई पर राखी बांध अपनी रक्षा का वादा लेती है, तो भाई भी उसे उपहार भेंट करता है। रक्षाबंधन के त्योहार को

बॉलीवुड के सितारे भी बड़े ही खास अंदाज में मनाते है। सितारे न सिर्फ अपने बिजी शेड्यूल से समय निकालकर अपने भाई-बहनों पर प्यार लुटाते है, बल्कि उन्हें स्पेशल भी फील कराते है। आज हम आपको बी टाउन के कुछ ऐसे ही सितारों के बारे में बताने जा रहे है, जो अपनी बहनों पर बेशुमार प्यार लुटाते है और उन्हें महंगे गिफ्ट भेंट कर चुके है। देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा अब ग्लोबल स्टार बन चुकी है। प्रियंका अपने भाई सिद्धार्थ के बेहद करीब है और हर साल रक्षाबंधन को धूमधाम से मनाती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पिछले साल सिद्धार्थ ने प्रियंका को एक फ्लैट गिफ्ट किया था, जिसकी कीमत 10 करोड़ रुपये है।

एमएमएस की खबरों के बीच अंजलि के गाने ने मचाई धूम, 'सैयां दिल में आना रे' को मिले इतने व्यूज

नई दिल्ली। कच्चा बादाम गर्ल अंजलि अरोड़ा बीते कुछ दिनों से अपने एमएमएस वीडियो को लेकर सुखिर्यों में बनी हुई हैं। दावा किया जा रहा था कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में अंजलि अरोड़ा ही हैं। वहीं, अंजलि ने इस वीडियो के गलत बताया था। इसी सबके बीच अंजलि अरोड़ा का नया गाना 'सैयां दिल में आना रे' भी लॉन्च हुआ, जिसे दर्शकों का बढ़िया रिस्पांस मिल रहा है और गाना यूट्यूब पर ट्रेंड कर है। अब गाने को मिल रहे प्यार को लेकर अंजलि ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है। दरअसल, अंजलि अरोड़ा का नया गाना 'सैयां दिल में आना रे' 1951 में आई फिल्म 'बहार' के गाने का रीमेक है। ओरिजनल गाने में वैजयन्ती माला नजर आई थीं। वहीं, अंजलि अरोड़ा के रीमेक गाने को श्रेणु राणे ने अपनी आवाज दी है। गाने में अंजलि के डांस को भी काफी पसंद किया जा रहा है और यह यूट्यूब पर ट्रेंड कर रहा है। साथ ही गाने को 48 घंटे में पांच

मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल गए हैं, जिसको लेकर अंजलि ने इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर कर सभी को शुक्रिया कहा है। अंजलि ने कहा, 'आप लोगों का दिल से बहुत बहुत शुक्रिया मेरे गाने सैयां दिल में आना रे को इतना प्यार देने के लिए। 48 घंटों के अंदर गाने को पांच मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल गए है और ऑल इंडिया में ट्रेंडिंग चल रहा है, तो इसे ऐसे ही और प्यार देते रहें।' बता दें कि यह गाना यूट्यूब पर 8 नंबर पर ट्रेंड कर रहा है। अंजलि अरोड़ा की बात करें तो वह सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर हैं कंगना रणौत के शो 'लॉकअप' का भी हिस्सा रह चुकी हैं। हाल ही में अंजलि ने एमएमएस को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी थी और कहा था कि मुझे नहीं पता लोग क्या कर रहे हैं, क्यों मेरे फोटो और नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं। मेरा भी परिवार है, छोटे भाई-बहन हैं, जो यह सब देख रहे हैं। जिन्होंने मुझे बनाया है, वही मुझे बदनाम कर रहे हैं, जबकि उस वीडियो में मैं नहीं हूं। यह बातें कहते हुए अंजलि भावुक भी हो गई थीं।

क्या 'ब्रह्मास्त्र' भी होगी फ्लॉप केआरके ने किया करण जौहर की नींद उड़ाने वाला ट्वीट

नई दिल्ली। फिल्म क्रिटिक कमाल आर खान उर्फ केआरके फिल्म निर्माता करण जौहर को घेरने का एक भी मौका नहीं छोड़ते है। इन दिनों करण जौहर का सारा ध्यान धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तली बनी फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' पर है, जिसमें आलिया भट्ट और रणबीर कपूर के अलावा कई बड़े स्टार्स एक साथ नजर आने वाले है। फिल्म 9 सितंबर को रिलीज होगी। लेकिन अभी से ही केआरके ने इस फिल्म के बहाने करण जौहर को घेरना शुरू कर दिया है। उन्होंने एक ट्वीट कर 'ब्रह्मास्त्र' को फ्लॉप फिल्मों की लिस्ट में रखा है। दरअसल, केआरके ने अपने लेटेस्ट ट्वीट में एक मीम शेयर किया है, जिसमें उन्होंने उन सभी फिल्मों के नाम लिखे है, जो 2022 में रिलीज हुई और फ्लॉप रही है। इन फिल्मों का रिव्यू केरआके ने भी निगेटिव में दिया था।

इस ट्वीट की मजेदार बात फ्लॉप फिल्मों को बताने का तरीका है। इस मीम में कई सारे दरवाजे खुले है और उन पर साल 2022 की फ्लॉप फिल्मों के नाम लिखे है। शुरुआत रणवीर सिंह की फिल्म '83' से होती है और बीच में 'जुग जुग जियो', 'शमशेरा', 'एक विलेन रिटर्न्स' से लेकर 'लाल सिंह चड्ढा' का नाम लिखा है। इस तस्वीर के आगे बहुत सारा खून दिख रहा है। वहीं, आखिरी दरवाजा 'ब्रह्मास्त्र' का है, जो बंद है। इस मीम में केआरके ने खुद की तुलना भूत से की है, जो सब को मारकर अब 'ब्रह्मास्त्र' की ओर बढ़ गया है। इस ट्वीट के साथ केआरके ने लिखा, 'गुड मॉर्निंग करण जौहर। जल्द ही मिलते हैं।' इस ट्वीट से साफ है कि केआरके ने मान लिया है कि फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' की कहानी दमदार नहीं होगी और करोड़ों के बजट में बनी यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रहेगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादकः-डा. दीपक अरोरा
मो0न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
डाक पंजीयन नं. 99/2021-23
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।